RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 8 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 30-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं बल्कि प्रथम गुरु भी होती हैं : पटेल

6 प्रेमचंद की सार्वकालिक प्रासंगिकता

7 भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती : सीरत कपूर

फर्स्ट टेक

साक्षी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में भारत का पांचवां पदक पक्का किया

ग्लास्गो/भाषा। भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। 26 वर्ष की साक्षी ने उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5.0 से हराया। लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), प्रीति पवार (54 किलो) और जादूमणि सिंह (पुरुष 55 किलो) के बाद वह इन खेलों में पदक पक्का करने वाली पांचवीं भारतीय मुक्केबाज बन गई।

गुरु पूर्णिमा पर हवन के दौरान पेड़ की शाखा गिरने से दो महिलाओं की मौत

बदाय।बदायूं के ललेई गांव में पीपल के पेड़ के नीचे बने देवस्थान पर आयोजित हवन यज्ञ और भजन कीर्तन के दौरान अचानक विशाल शाखा गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि चार अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस के मुताबिक गांव में बुधवार को गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में प्राचीन वृक्ष के नीचे स्थित देवस्थान पर हर साल की तरह इस बार भी हवन-यज्ञ और भजन कीर्तन का आयोजन किया गया था। पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं एकत्र होकर देवी माता के गीत गा रही थीं और हवन में आहुति दे रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि अपराह्न करीब 3:30 बजे अचानक पीपल के पेड़ की एक मोटी और विशाल शाखा नीचे बैठी महिलाओं के समूह पर गिर गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद भगदड़ मच गई, जिसमें कई महिलाएं दब गईं।

मणिपुर के नोनी जिले में सुरक्षाबलों के साथ झड़प में एक की मौत

इंफाल।मणिपुर के नोनी जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और ग्राम स्वयंसेवकों के बीच हुई गोलीबारी में एक ग्राम स्वयंसेवक की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान भी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना नागा बहुल नोनी जिले के बितियांग गांव में उस समय हुई, जब अभियान चला रहे सुरक्षाबलों पर ग्राम स्वयंसेवकों की ओर से गोलीबारी की गई। मणिपुर में ग्राम स्वयंसेवक विभिन्न जातीय समुदायों के सशस्त्र नागरिक हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों की सुरक्षा करते हैं। इन स्वयंसेवकों ने वर्ष 2023 में राज्य में शुरू हुए जातीय संघर्ष के बाद यह जिम्मेदारी संभालनी शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे हुई गोलीबारी में एक ग्राम स्वयंसेवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया।

लोकसभा में प्रश्नपत्र लीक निरोधक विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने बुधवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी। नीट प्रश्नपत्र लीक की पृष्ठभूमि में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 में सख्त प्रावधान शामिल करने के लिए लाए गए इस संशोधन विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस कारण सदन की कार्यवाही पहले एक बार करीब 40 मिनट के लिए अपराह्न ढाई बजे तक और फिर तीन बजे तक स्थगित कर दी गई। तीन बजे सदन की बैठक शुरू होने पर कांग्रेस के सांसद एलओपी को बोलने' दो के नारे लगाते हुए हंगामा कर रहे थे। हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दिया और उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी के बीच ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

चर्चा का जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक के मामले में सरकार ने फौरन कार्रवाई की और 12 जुलाई को जांच सीबीआई को सौंप दी गई। उन्होंने कहा कि कल इस मामले में आरोपपत्र दायर कर दिया गया है और आज से सुनवाई शुरू हो गई है। सिंह ने कहा कि नए संशोधन विधेयक के प्रभाव में आने के बाद फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई के साथ इस मामले में पांच महीने में फैसला आ जाएगा। सिंह ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक के विरुद्ध कड़े प्रावधान के साथ मूल कानून 2024 में लागू किया गया था और आज प्रश्नपत्र लीक संबंधी खामियां सामने आने के बाद सरकार ने माना कि कानून को और कड़ा बनाने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने चर्चा के दौरान कहा कि दिल्ली में मासूम बच्चों पर जुल्मोसितम ढाया गया, जबकि सरकार ने सर्वोच्च संयम के साथ कार्रवाई की और सुनिश्चित किया कि कोई हताहत नहीं हो। उन्होंने कहा, शायद वह (गोगोई) अपने अनुभव से बोल रहे थे। क्योंकि असम में 1979 से 1984 तक छात्रों के आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई में 860 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर छात्र थे। उस समय असम में कांग्रेस की सरकार थी। सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने देश में पिछले कुछ साल में 152 बार प्रश्नपत्र लीक होने और इनमें 750 करोड़ बच्चों के प्रभावित होने का दावा किया। उन्होंने कहा, पता नहीं प्रियंका गांधी यह आंकड़ा कहां से लाईं। सिंह ने कहा कि प्रियंका गांधी ने 2024 का कानून लागू होने के बाद कोई कार्रवाई नहीं होने की बात कही, जबकि ऐसे मामलों में 52 प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की प्रतिबद्धता के अनुरूप यही सरकार 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई जो कांग्रेस का अधूरा काम था। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के प्रावधानों के अनुसार परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक करने या अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों को कम से कम पांच साल और अधिकतम 10 साल तक के कारावास तथा 50 लाख रुपये तक के जुर्माने की सजा हो सकती है। इसी तरह संगठित अपराधों के लिए कम से कम सात साल के कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत सभी जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होंगी। विधेयक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित अदालतें स्थापित करने का निर्देश देने का भी प्रस्ताव है। ये अदालतें आरोपपत्र दाखिल किए जाने के तीन महीने के भीतर मुकदमे की कार्यवाही पूरी करेंगी।

राहुल को सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में तथ्यों के बिना गैर जिम्मेदारी से बात कह देना विपक्ष के नेता का व्यवहार नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया।

वंदे मातरम् के विरोध का मतलब 'भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग' का मनोबल बढ़ाना है : राय

राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 राज्यसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की नीति के कारण राष्ट्रगीत का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि 'वंदे मातरम' के विरोध का मतलब भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग के मनोबल को बढ़ाना है। उच्च सदन में राय ने यह बात राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कही। उनके जवाब के बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। गृह राज्य मंत्री के जवाब और विधेयक पारित किए जाने से पहले कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन में गृह मंत्री अमित शाह की अनुपस्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर विरोध जताते हुए सदन से वॉक आउट किया था। विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए राय ने कहा कि यह कोई सामान्य विधायी संशोधन विधेयक नहीं बल्कि भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति हम सभी की प्रतिबद्धता है।

राय ने कहा, वंदे मातरम का विरोध करने का मतलब है कि कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की नीति को अपना कर इस देश के गौरव को अपमानित करने का काम करती रही है। राय ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वंदे मातरम का विरोध क्यों कर रहे हैं, यह समझ में न आने वाली बात है तथा इस विरोध को देश के बेटे-बेटियां देख रहे हैं। उन्होंने कहा, वंदे मातरम के विरोध का मतलब भारत तेरे टुकड़े होंगे गैंग के मनोबल को बढ़ाना है। उन्होंने आगाह किया कि भारत तेरे टुकड़े होंगे नारे को अब देश का नौजवान, किसान, महिलाएं, मजदूर बर्दाश्त नहीं करेंगे और भारत के लोग इनको सबक सिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि 1971 के राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम के माध्यम से संविधान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्र गान जन-गण-मन के सम्मान की सुरक्षा सुनिश्चित की गयी थी।

जापान में भूकंप से अब तक 18 लोगों की मौत

कुमामोतो/एपी। जापान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में आए शक्तिशाली भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। सैनिकों और आपातकालीन कर्मियों ने बुरी तरह क्षतिग्रस्त एक शॉपिंग मॉल और ढहे मकानों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए बुधवार को भी तलाश अभियान जारी रखा।

दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोतो के प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 62 लोग घायल हुए हैं, जिनमें छह की हालत गंभीर है। बचाव अभियान जारी होने के बीच मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग लापता हैं। काशिमा शहर स्थित 'एयॉन मॉल' के अनुसार, मॉल परिसर में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं।

बीरभूम में 20 करोड़ रुपये और 15 किलो सोना जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बुधवार को बीरभूम जिले में कम से कम 20 करोड़ रुपये नकद और 15 किलोग्राम सोना जब्त किया। राज्य के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी के ठिकानों से चार साल पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई रकम के बाद यह अवैध रूप से जमा की गई नकदी और सोने की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। पुलिस ने बताया कि सरकारी बस ड्राइवर से पत्थर व्यापारी बने मीनार मंडल के देवचा गांव स्थित दो मंजिला मकान से एक-एक किलोग्राम वजनी सोने की 14 छड़ और 100-100 ग्राम के सोने के 10 बिस्कुट बरामद किए गए हैं, जिनकी वर्तमान बाजार दर के अनुसार कीमत लगभग 21.5 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि कई थैलों में भरकर रखी गई नकदी की गिनती इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक जारी थी और यह आंकड़ा पहले ही 20 करोड़ रुपये को पार कर चुका था।पुलिस ने मीनार मंडल की पहचान फरार कारोबारी टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के संबंधी के रूप में की है।

टुल्लू मंडल का बीरभूम के पत्थर खनन व्यवसाय में बड़ा कारोबार है और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उसे ''बालू माफिया'' संचालक बताया है।

यह बरामदगी बीरभूम में कथित अवैध खनन और राजस्व चोरी के खिलाफ जारी एक बड़ी कार्रवाई के बीच हुई है।बीरभूम जिला लंबे समय से पत्थर व्यापार से जुड़े अवैध खनन और संगठित अपराध के आरोपों के कारण जांच के दायरे में रहा है।इससे पहले जुलाई 2022 में, राज्य के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़ी प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों से कुल 50 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी, सोना और विदेशी मुद्रा बरामद की गई थी। टुल्लू का नाम करोड़ों रुपये के मवेशी तस्करी मामले में सीबीआई जांच में सामने आया था।

अगस्त 2022 में, एजेंसी ने जिले के मोहम्मद बाजार इलाके में उसके कार्यालय और गोदाम के अलावा उसकी कई संपत्तियों की तलाशी ली थी।

सनातन संस्कृति को तबाह करना चाहती हैं कुछ ताकतें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कुछ ताकतें भारत की सनातन संस्कृति और परंपरा को तबाह करना चाहती हैं और देश के नागरिक ऐसे लोगों से सतर्क रहें। आदित्यनाथ ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में विगत 23 जुलाई से जारी श्रीराम कथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित करते हुए लोगों से आह्वान किया है कि वे देश की प्रगति यात्रा में बाधा उत्पन्न करने वालों से सतर्क रहें। उन्होंने कहा, हम सभी को भारत के खिलाफ होने वाली साजिशों को समझना होगा। कुछ ताकतें भारत की प्रगति यात्रा, सनातन संस्कृति एवं परंपरा को तबाह करना चाहती हैं।उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर आगाह करते हुए कहा, अपने ही समाज में कालनेमि का रूप धारण कर बैठे देशविरोधी षड्यंत्रकारियों से हम अनभिज्ञ बने रहेंगे तो अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसी स्थिति होगी। आदित्यनाथ ने अगले दो-तीन साल में भारत के दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल हो जाने का दावा करते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा कि अपनी प्रगति यात्रा में भारत ने जिन्हें पछाड़ा, उन्हें अच्छा न लगना स्वाभाविक है। उन्होंने दावा करते हुए कहा, कई ताकतों को भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती।

राहुल ने लोकसभा में गृह मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप

सत्तापक्ष ने माफी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर बुधवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसका सत्तापक्ष ने तीखा विरोध किया और उनसे माफी की मांग की। राहुल गांधी ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान छात्रों के आंदोलन का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री शाह को लेकर गंभीर आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं कि किस आधार पर उन्होंने देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाया है या फिर वह माफी मांगें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना किसी तथ्य, जांच और साक्ष्य के किसी के ऊपर आरोप नहीं लगा सकते। सदन में हंगामे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ने बैठक एक बजकर 53 मिनट पर अपराह्न दो बजकर 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेने के दौरान आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था की आत्मा पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक संगठन ने कब्जा कर लिया है और पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तो सिर्फ एक प्रतीक मात्र थे।

उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी बच्चों के माता-पिता में साहस नहीं है कि वो भाजपा और उसके वैचारिक संगठन का मुकाबला करें, लेकिन ये बच्चे सामने खड़े हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों ने डर को बाहर निकालकर चुनौती दी और खुलकर सवाल किया। उन्होंने सदन में गृह मंत्री की गैरमौजूदगी को लेकर दावा किया कि तथाकथित 'गृह मंत्री' को हिम्मत नहीं है कि वह सदन में आ सकें। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री सदन में नहीं हैं क्योंकि वह डरे हुए हैं। इसके बाद उन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने तीखा विरोध किया और कहा कि राहुल गांधी ने गलत बयान दिया और उन्होंने अपने विशेषाधिकार का हनन करते हुए बयान दिया जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि छात्रों पर बलप्रयोग का आदेश किसने दिया था। सत्तापक्ष के सदस्यों ने 'राहुल गांधी माफी मांगो' और कांग्रेस के सदस्यों ने 'एलओपी को बोलने दो' और 'गृह मंत्री जवाब दो' के नारे लगाए। सदन में काफी देर तक गतिरोध की स्थिति बनी रही। राहुल गांधी ने कहा कि सड़कों पर इस देश के भविष्य ने जो किया, वह कोई गुस्सा, हिंसा और नफरत नहीं थी, बल्कि यह युवाओं की अभिव्यक्ति थी तथा सत्तारूढ़ दल समेत सभी दलों को इसका सम्मान करना चाहिए।

भाषण की शुरुआत में भी राहुल गांधी ने एक शब्द का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्तापक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि उन्होंने एक छात्रा का नाम लेकर जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, वह असंसदीय शब्द है और उसे कार्यवाही से हटा देना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को संसद की मर्यादा के साथ विधेयक पर बोलना चाहिए। सत्तापक्ष की टोकाटोकी के बीच राहुल गांधी ने बोलने से इनकार कर दिया और अपनी सीट पर बैठ गए।

विजेता

स्कॉटलैंड में बुधवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दौरान महिलाओं के 70 किलोग्राम भारवर्ग मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की मॉर्गन हेन्डरसन को हराने के बाद रेफरी ने भारत की अरुंधति चौधरी का हाथ उठाकर उन्हें विजेता घोषित किया।

सूर्यास्त 30-07-2026 6:47 बजे	सूर्योदय 31-07-2026 6:06 बजे
BSE 77,654.60 (+888.68)	NSE 24,250.20 (+264.86)
सोना 14,781 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 225,932 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चातुर्मास महात्म्य

उस गांव शहर के भाग्य जहां,
गुणि संत बिताते चार मास।
संपूर्ण क्षेत्र के जन-जन में,
सत संगत करती नव उजास।
भर जाती स्फूर्ति और ऊर्जा,
सारे विकार करते निकास।
वाणी वचनों को सुन-सुन कर,
बन जाता है हर दिवस खास।।

कांठा प्रांत के युवा व महिला शाखा का हुआ शुभारंभ, शपथ ग्रहण सम्पन्न

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत जैन संघ बेंगलूरु की युवा एवं महिला शाखा का संयुक्त रूप से शपथ ग्रहण सम्पन्न हुआ। कांठा संघ के कार्याध्यक्ष अशोककुमार गुगलिया एवं उपाध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने युवा शाखा के नव मनोनीत अध्यक्ष मनीष बोहरा व महामंत्री महावीर गुंदेचा व टीम को कांठा समाज की सेवा, सद्भाव एवं विकास में समर्पित एवं निःस्वार्थ भाव से कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्याध्यक्ष आशीष गुगलिया व आयोजन संयोजक पंकज गुगलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कांठा समाज की सुनीता गांधी, सरिता खिंवेसरा, सुरक्षा मुणोत एवं कमला कोठारी ने महिला शाखा की नवमनोनीत अध्यक्ष प्रियंका कोटरिया व महामंत्री पूजा गुगलिया को शपथ दिलाई। महिला विंग की ओर से प्रथम पहल की घोषणा करते हुए महिला सदस्यों के लिए कार ड्राइविंग प्रशिक्षण कक्षाओं का शुभारंभ करने की जानकारी दी। संघ के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

गुरु हमारे भाग्य विधाता और निर्माता : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने बुधवार को चातुर्मास स्थापना व गुरु पूर्णिमा के मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु हमारे भाग्य विधाता और निर्माता हैं। गुरु शब्द में संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्ति छिपी हुई है। आत्मा की विराट शक्ति का साक्षात्कार गुरु के बिना तीन काल में भी संभव नहीं है। जिसके जीवन में गुरु नहीं, उसका जीवन शुरु नहीं। जैसे पत्थर हजारों साल पत्थर ही रहेगा जब तक उसे तरासने वाला नहीं मिलता तब तक उसका मूल्य नहीं बढ़ता।

संतश्री ने कहा कि जो गुरु कर सकता है, वह दुनिया की कोई भी ताकत नहीं कर सकती है। गुरु की महान शक्ति के सहारे ही भारत को विश्व गुरु बनने का सौभाग्य मिला है। कलयुग के वर्तमान में ऐसे संतों का निर्माण होना किसी चमत्कार की शक्ति से कम नहीं है। जीवन के निर्माता गुरु का चयन भी बहुत सोच समझकर करना चाहिए। जिस प्रकार आधा अधूरा चिकित्सक जीवन को खतरे में डाल देता है वैसे ही आधा अधूरा गुरु आत्मा को जन्म-जन्मांतर में भटका देता है। गुरु साक्षात चलता फिरता तीर्थ और असीम ध्यान व ज्ञान का भंडार होते हैं, जिनसे प्रक्षालन करके अपनी आत्मा को निर्मल पावन और पवित्र बनाया जा सकता है। इस मौके पर सक्षम मुनिजी, अक्षत मुनिजी ने मंगलाचरण किया। कौशल मुनिजी, घनश्याम मुनिजी ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष सुभाषचंद दरड़ा, सोहनलाल बाघमार, महावीर खाबिया, दिनेश दक, उषा गांधी, महावीरचंद सकलेचा ने गुरु पूर्णिमा पर संघ की ओर से संतों को नमन कर कृतज्ञता व्यक्त की। संचालन मंत्री बुधमल बाघमार ने किया। महिला मंडल, बहू मंगल, बालिका मंडल, जैन युवा संघ ने महामंत्र के जप को चारों महीने सफल बनाने का संकल्प लिया।

न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामला बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ जारी आपराधिक मामला बुधवार को बंद कर दिया और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने वाले आदेश रद्द कर दिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री सिंह और अन्य को क्लीन चिट दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' को खारिज कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था।

पीठ ने कहा, ''अपीलकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण यह अपील निष्फल मानकर समाप्त की जा सकती थी लेकिन विशेष न्यायाधीश द्वारा संज्ञान लेने और अपीलकर्ता को तलब करने के पहलू पर विचार करने के लिए हमने सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्टों का अध्ययन किया।'' अदालत ने कहा, ''जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।''

वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-खख कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित कथित कोयला घोटाले में एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला, पूर्व कोयला सचिव पी. सी. पारेख और तीन अन्य लोगों को आरोपी के रूप में तलब किया था। हालांकि, न्यायालय ने इस आदेश में हस्तक्षेप करते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

उच्चतम न्यायालय में अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप में गिरफ्तार दो विधि छात्रों को जमानत मिली

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान कथित रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने, सुरक्षाकर्मी से हाथापाई करने और न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में गिरफ्तार विधि के दो छात्रों को जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि उच्चतम न्यायालय जैसी प्रतिष्ठित संस्था की महत्ता और मजबूती किसी एक आक्रोशित याचिकाकर्ता के असंयमित व्यवहार से कमजोर नहीं पड़ती, जो बिना वकील के स्वयं पैरवी कर रहा हो। हालांकि, न्यायिक मजिस्ट्रेट रवि ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि इस तरह का आचरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जाती है।

अदालत उप्र के इटावा निवासी और लखनऊ विवि के तीसरे वर्ष के विधि छात्र प्रबल प्रताप सिंह (24) तथा रायबरेली निवासी दूसरे वर्ष के विधि छात्र चंदर भान (23) की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। प्रबल प्रताप इस मामले में स्वयं याचिकाकर्ता के रूप में अदालत में पेश हुआ था। पुलिस के अनुसार, यह घटना 10 जुलाई को उच्चतम न्यायालय के अदालत कक्ष नंबर-13 में प्रबल प्रताप एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में विशेष अनुमति याचिका की सुनवाई के दौरान हुई थी। आरोप है सुनवाई के दौरान प्रबल प्रताप ने अभद्र और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया, अदालत में कागज़ फेंके, हंगामा किया और सुरक्षा कर्मियों के साथ बल प्रयोग किया।

जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने जन्म और मृत्यु के पंजीकरण संबंधी कानून में संशोधन करने के प्रावधान वाले विधेयक बुधवार को लोकसभा में किया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच जन्म और मृत्यु का पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। विपक्षी सदस्य प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ लाए गए लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

संसदीय प्रक्रिया के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधेयक को पेश किए जाने का विरोध करने के लिए विपक्ष के कुछ सदस्यों के नाम पुकारे। हालांकि, कोई विपक्ष सदस्य नहीं बोला और इसके बाद नित्यानंद राय ने विधेयक पेश किया। बीते 20 जुलाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विधेयक को मंजूरी दी थी।

इस विधेयक का उद्देश्य जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (2023 में संशोधित) की धारा 13(3) में और संशोधन करना है, ताकि विलंब से होने वाले पंजीकरण के प्रावधानों को और अधिक कड़ा बनाया जा सके। मौजूदा प्रावधानों के तहत यदि जन्म या मृत्यु का पंजीकरण एक वर्ष से अधिक की देरी से कराया जाता है, तो इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट (डीएम), उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) अथवा किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश की आवश्यकता होती है। विधेयक में देरी की अवधि के आधार पर दो-स्तरीय मंजूरी व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।

आत्मचेतना को जागृत करने वाले प्रेरणास्रोत होते हैं गुरु : मुनिश्री वीरसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुनिश्री वीरसागरजी ने आत्म-सिलिकॉन वर्षायोग' के मौके पर गुरु-शिष्य परंपरा के वास्तविक स्वरूप, आत्मजागरण, स्वाध्याय तथा आधुनिक जीवन में आध्यात्मिक अनुशासन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुनिश्री ने कहा कि गुरु केवल पूजनीय व्यक्तित्व या बाहरी मार्गदर्शक नहीं होते, बल्कि वे साधक के भीतर निहित आत्मचेतना को जागृत करने वाले प्रेरणा-स्रोत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सच्ची भक्ति केवल वंदना या अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि वह व्यक्ति के जीवन में संयम, सदाचार और आत्मपरिवर्तन का माध्यम बननी चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि आज ज्ञान की कोई कमी नहीं है, किंतु जीवन में शांति और स्थिरता का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों का अध्ययन तभी सार्थक है जब वह गुरु के मार्गदर्शन और स्वाध्याय के माध्यम से व्यवहार में उतरकर व्यक्ति के चरित्र और जीवन मूल्यों का निर्माण करे। प्रवचन के दौरान मुनिश्री ने अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह जैसे जैन सिद्धांतों को आधुनिक जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि परिवार, समाज, व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन में संयमित आचरण, मर्यादित उपभोग तथा मधुर वाणी ही स्थायी मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन का आधार हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे बीते वर्ष के अपने आचरण का निष्पक्ष मूल्यांकन करें, क्रोध, मान, माया तथा अन्य कषायों का परित्याग करने का संकल्प लें और सेवा, करुणा, स्वाध्याय तथा आत्मसाधना को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुंदरकांड पाठ

बेंगलूरु के बन्नरघटा रोड स्थित रांका कॉलोनी में निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर स्थल पर बुधवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर 3 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमें बालाजी महाराज की पूजा कर ज्योत प्रज्वलित की गई। बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन कर नारायण बाहेती एन्ड पार्टी के साथ सुन्दरकांड पाठ का सामूहिक वाचन किया। आरती के साथ सुन्दरकाण्ड पाठ का समापन हुआ। शाम को सुरेशकुमार जैन परिवार की ओर से भोग अर्पण किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभारंभ

बेंगलूरु शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के प्रांगण में चातुर्मास में विराजित भुवनभूषणविजयजी द्वारा बियासणा एवं चौविहार हॉउस(चातुर्मास चौके) का शुभारंभ हुआ। संतश्री ने कार्यकर्ताओं व पाकशाला संभाल रहे रसोइयों से अहिंसा के सिद्धांत को ध्यान में रखकर कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी, मंडल के सदस्य आदि उपस्थित थे।

राम मंदिर ट्रस्ट में सचिव पद के लिए जगदीश आफले के नाम का प्रस्ताव किया गया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के परियोजना प्रबंधक रहे जगदीश आफले का नाम श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रथम सचिव के तौर पर नियुक्ति के लिए प्रस्तावित किया गया है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ट्रस्ट ने 22 जुलाई को हुई अपनी बैठक में सचिव और प्रवक्ता का पद सृजित करने का फैसला किया था। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने पुष्टि की है कि न्यास के सचिव पद के लिये जगदीश आफले का नाम प्रस्तावित किया गया है और उनकी नियुक्ति की औपचारिक घोषणा आगामी दो सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में की जा सकती है। मंदिर सूत्रों के अनुसार, प्रवक्ता के पद के लिए चयन प्रक्रिया जारी है और कई नामों पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि पुणे (महाराष्ट्र) के रहने वाले जगदीश आफले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रगाढ़ संबंध हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई से एमटेक की पढ़ाई करने वाले आफले ने भारत, यूरोप के कुछ देशों और अमेरिका की एक कंपनी में भी काम किया, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद भारत लौट आए।

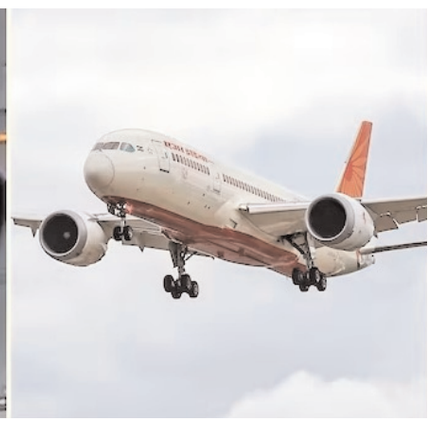

ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण स्विच में कोई गड़बड़ी नहीं मिली : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को बताया कि बोइंग कंपनी ने ड्रीमलाइनर विमान के ईंधन नियंत्रण ''स्विच लॉकिंग सिस्टम'' की विस्तृत जांच की और इसमें कोई असामान्यता नहीं पाई गई। यह जांच इस साल फरवरी में लंदन हीथ्रो-बेंगलूरु उड़ान संचालन के बाद एयर इंडिया के एक पायलट द्वारा इस प्रणाली में संभावित समस्या की ओर ध्यान दिलाने के बाद कराई गई थी।

एक एयर इंडिया पायलट ने दो फरवरी को उड़ान संख्या एआई132 के संचालन के बाद बोइंग 787-8 विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच में खराबी की सूचना दी थी। लंदन से बेंगलूरु पहुंचने के बाद एयरलाइन ने जांच के लिए इस विमान को सेवा से हटा दिया था। इस घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय ने बोइंग को ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग प्रणाली की जांच करने का निर्देश दिया था। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि डीजीसीए ने सिएटल में मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) स्तर पर ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग प्रणाली की जांच कराने का निर्देश दिया था। मंत्री ने कहा, ईंधन नियंत्रण स्विच की विस्तृत जांच की गई, जिसमें स्विच के डिटेंट्स (लॉकिंग तंत्र) की संरचनात्मक मजबूती भी शामिल थी। जांच में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। हालांकि, ओईएम सुविधा में पूरे 'थ्रस्ट कंट्रोल मॉड्यूल' की आगे की जांच जारी है।'' मोहोल से विमान को जांच के लिए फरवरी 2026 में जमीन पर उतारे जाने के बाद डीजीसीए द्वारा सिएटल में कराए गए ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग तंत्र के परीक्षण के परिणामों से जुड़े सवाल पूछे गए थे। इससे पहले एयर इंडिया के एक पायलट द्वारा ड्रीमलाइनर के ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित समस्या बताए जाने के बाद एयरलाइन के प्रवक्ता ने चार फरवरी को कहा था कि कंपनी ने अपने बेड़े में शामिल सभी बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की एहतियाती दोबारा जांच पूरी कर ली है और इनमें कोई समस्या नहीं मिली। ड्रीमलाइनर विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच की कार्यप्रणाली पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद हुए एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान हादसे के बाद चर्चा में रही है। लंदन गैटविक जा रहे इस विमान दुर्घटना में कुल 260 लोगों की मौत हुई थी। एएआईबी ने पिछले साल 12 जुलाई को जारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा था कि उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति एक सेकंड के अंतराल में बंद हो गई थी, जिससे कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एयर फोर्स बाल भारती स्कूल का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां लोधी रोड स्थित एयर फोर्स बाल भारती स्कूल का दौरा किया और छात्रों से उत्कृष्टता हासिल करने, मजबूत नैतिक मूल्यों को बनाए रखने तथा देश की प्रगति में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के रक्षा प्रकोष्ठ की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति ने अपने दौरे के दौरान छात्रों के साथ विशेष संवाद किया।

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह और एयर फोर्स फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष सरिता सिंह ने राष्ट्रपति के स्कूल पहुंचने पर उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति के दौरे की शुरुआत स्कूल की ओर से उनके गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दौरे का मुख्य आकर्षण राष्ट्रपति और छात्रों के बीच संवाद रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों को समर्पण के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने, मजबूत नैतिक मूल्यों को बनाए रखने और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पीआईबी के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति ने स्कूल में आयोजित कला प्रदर्शनी भी देखी। इस प्रदर्शनी में जूनियर और सीनियर कक्षाओं के छात्रों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई थीं जो स्कूल में विकसित की जा रही रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को दर्शाती हैं। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति ने स्कूल के अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और जिम्मेदार भविष्य के नागरिकों के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सर्राफा कारोबारी के पौत्र के अपहरण और हत्या मामले में आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

गोरखपुर/भाषा। गोरखपुर में एक सर्राफा व्यवसायी के 10 वर्षीय पोते के अपहरण और हत्या के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कम्प्यूटर शिक्षक ने 36 लाख रुपये का कर्ज चुकाने के लिए यह साजिश रची थी और पीड़ित के परिवार से एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। सर्राफा व्यवसायी लक्ष्मी नारायण वर्मा का पोता और चौथी कक्षा का छात्र वैभव वर्मा सोमवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद लापता हो गया था। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में वैभव अपने पड़ोसी सर्वेश उर्फ बिट्टू भट्ट के साथ जाता हुआ दिखा, जिसके बाद भट्ट को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह लगभग 36 लाख रुपये के कर्ज के कारण भारी आर्थिक तनाव में था। पुलिस के अनुसार सर्वेश ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले जबरन वसूली के तरीकों के बारे में जानकारी जुटाई और फिरौती के मकसद से व्हाट्सएप कॉल करने के लिए कंबोडिया का मोबाइल नंबर ऑनलाइन खरीदा। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने बच्चे को लालच देकर बुलाया और पास के खेत में ले जाकर कथित तौर पर उसका गला घोंट दिया।

तमिलनाडु के लिए कावेरी जल छोड़ने के आदेश के खिलाफ कर्नाटक में प्रदर्शन तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के कर्नाटक को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने के निर्देश के खिलाफ बुधवार को कर्नाटक में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने बेंगलूरु में प्रदर्शन करते हुए कहा कि राज्य में पेयजल की उपलब्धता को लेकर चिंता है और वह ''एक बूंद पानी भी'' देने की स्थिति में नहीं है। मैसूरु और मांड्या में भी छिटपुट प्रदर्शन किए गए।

कर्नाटक रक्षण वेदिके (केआरवी) के शिवरामे गौड़ा की अध्यक्षता वाले गुट के सदस्यों ने और सारा गोविंदू के नेतृत्व वाले अन्य कन्नड़ समर्थक संगठनों ने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम में कुवेम्पु प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सिर पर खाली मटके रखकर मार्च निकाला और कावेरी जल विनियमन समिति के आदेश के खिलाफ नारे लगाए।

पुलिस ने मौके पर बैरिकेड लगाए, बीएमटीसी बसें तैनात कीं और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर वहां से हटाया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सारा गोविंदू ने सीडब्ल्यूआरसी के निर्देश को ''अवैज्ञानिक आदेश'' बताते हुए कहा, ''मानसून शुरू हुए करीब दो महीने हो चुके हैं, लेकिन कृष्णराज सागर (केआरएस) बांध में अब तक एक बूंद पानी भी नहीं आया है। आज लोग पीने के पानी के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। मवेशियों और कृषि के लिए भी पानी उपलब्ध नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक के लिए 15 दिनों तक रोजाना 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का मतलब करीब 4.5 टीएमसी पानी छोड़ने के बराबर है। उन्होंने पूछा, हम यह पानी कहां से लाएंगे?

गोविंदू ने कहा कि ''तमिलनाडु के लिए कावेरी का एक बूंद पानी छोड़ना भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा, हम मांड्या के किसानों के साथ खड़े हैं। मैं कर्नाटक के सभी कन्नड़ लोगों से इस अवैज्ञानिक आदेश की निंदा करने की अपील करता हूं।'' केआरवी अध्यक्ष शिवरामे गौड़ा ने आरोप लगाया कि कावेरी विवाद में कर्नाटक के साथ बार-बार अन्याय किया गया है। उन्होंने कहा, जमीनी हकीकत को समझे बिना अवैज्ञानिक आदेश दिया गया है। कर्नाटक की जनता और हमारे किसान इस फैसले की निंदा करते हैं।'' उन्होंने राज्य सरकार से किसानों के हितों की रक्षा करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यह आंदोलन अभी शुरुआत है और यदि राज्य सरकार तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का फैसला करती है तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूआरसी के निर्देश को लागू करने से पहले कर्नाटक में मौजूदा जल स्थिति, खासकर पेयजल संकट को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रदर्शन के बाद पुलिस ने क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी और कई कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया। इस बीच, मैसूरु, मांड्या और रामनगर में भी सीडब्ल्यूआरसी के आदेश के खिलाफ प्रदर्शन हुए। विपक्षी भाजपा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार कावेरी मुद्दे से निपटने में विफल रही है। शिवमोगा में संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि सीडब्ल्यूआरसी के समक्ष कर्नाटक का पक्ष रखने वाले वकील राज्य में पानी की उपलब्धता से जुड़ी पूरी जानकारी देने में विफल रहे।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं और कावेरी नदी तट क्षेत्र के किसान कम बारिश के कारण परेशान हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने सीडब्ल्यूआरसी के निर्देश जारी होने से पहले ही तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ दिया था।

कर्नाटक सरकार तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़ने संबंधी आदेश के खिलाफ अपील करेगी : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के उस निर्देश के खिलाफ अपील दायर करने का निर्णय लिया है जिसमें राज्य को तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने को कहा गया है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रेड्डी ने कहा कि यह अपील कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के समक्ष दायर की जायेगी, क्योंकि राज्य पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है। सीडब्ल्यूआरसी ने मंगलवार को कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह 29 जुलाई से 15 दिनों तक बिलिगुंडलु में 3,500 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करे, जिसके तहत लगभग चार टीएमसी पानी छोड़ा जाएगा।

जल संसाधन मंत्री रेड्डी ने कहा, हमारे लिए सीडब्ल्यूआरसी के आदेशों का पालन करना कठिन होगा, इसलिए हमने अपील करने का निर्णय लिया। कर्नाटक सरकार के सलाहकार ने अपील का मसौदा तैयार कर भेजा था, जिसे हमने दिल्ली भेज दिया है। हमारे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन कातार्की मसौदे को मंजूरी देकर भेजेंगे। उनके भेजते ही हम आज ही अपील दायर कर देंगे। हमारे अतिरिक्त मुख्य सचिव यह अपील दायर करेंगे। अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार तमिलनाडु को पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है।

उन्होंने कहा, हम सीडब्ल्यूआरसी के आदेश के खिलाफ सीडब्ल्यूएमए के समक्ष अपील दायर कर रहे हैं। यदि सीडब्ल्यूएमए के आदेश के खिलाफ कोई अपील दायर करनी होगी, तो हमें उच्चतम न्यायालय के समक्ष जाना पड़ेगा। हम आज ही सीडब्ल्यूएमए के समक्ष अपील दायर कर रहे हैं।''

बुजुर्ग की हत्या के दोषी तीन व्यक्तियों को आजीवन कारावास

मंगलूरु। मंगलूरु की एक अदालत ने दक्षिण कन्नड़ जिले में 2021 में लूट की कोशिश के दौरान 73 वर्षीय व्यक्ति की हत्या करने के लिए तीन व्यक्तियों को बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने एलमा प्रेशिट बरेटो, चरण कुमार और सतीश नायक को बेनेडिक्ट कार्लो की हत्या का दोषी करार दिया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कार्लो बंतवाल तालुक के अम्मुंजे के निवासी थे।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, इन अभियुक्तों ने बुजुर्ग व्यक्ति के स्वर्ण आभूषण लूटने का षड्यंत्र रचा और बुजुर्ग व्यक्ति की देखभाल के लिए नौकरी पर रखे गए एलमा ने दो सह आरोपियों के साथ मिलकर शुरुआत में बुजुर्ग व्यक्ति को जहर देकर मारने का प्रयास किया और बाद में उसका गला घोटकर मार डाला। अदालत ने इन अभियुक्तों को कार्लो की हत्या करने, उनका 61.070 ग्राम स्वर्ण आभूषण लूटने और साक्ष्य नष्ट करने का दोषी करार दिया।

राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा विधायक पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी/भाषा। कर्नाटक के उडुपी में मंगलवार को एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ कथित भड़काऊ और आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर यहां के भाजपा विधायक यशपाल सुवर्ण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक कोडावुर की शिकायत पर उडुपी टाउन पुलिस थाना में यह मामला दर्ज किया गया है। कोडावुर का आरोप है कि सुवर्ण ने उडुपी में सर्विस बस स्टैंड के पास हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान अपमानजनक और भड़काऊ बयान दिए।

शिकायत के मुताबिक, भाजपा विधायक ने जनता को भ्रमित करने और राहुल गांधी की छवि खराब करने के इरादे से उन्हें कथित तौर पर 'नशेड़ी' बताया। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि सुवर्ण ने बाबरी मस्जिद का जिक्र किया और चेतावनी दी कि गांधी परिवार का वंश भी इसी तरह के अंजाम का सामना करेगा। इस टिप्पणी से सांप्रदायिक तनाव और हिंसा भड़कने की आशंका थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सुवर्ण ने नीट परीक्षा के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा का उपयोग किया और कांग्रेस समर्थकों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को भड़काने का प्रयास किया।

पुलिस ने समूहों के बीच वैमनस्य बढ़ाने, दंगा भड़काने, आपराधिक धमकी और अशांति फैलाने वाले बयान देने से जुड़ी बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और इस मामले की जांच कर रही है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. मंजूनाथ भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार ने भाजपा विधायक की कथित टिप्पणियों का गंभीर संज्ञान लिया है और वह कानूनी कार्यवाही करेगी।

डॉ. भंडारी ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि कांग्रेस नेतृत्व प्रदेश के गृह मंत्री प्रियंक खरगे से मिलेगा और गहन जांच और उचित कार्रवाई करने का पुलिस को निर्देश देने की मांग करेगा।

भंडारी ने कहा, नीट मुद्दे के खिलाफ आवाज उठाने वालों को गाली गलौज, द्वेषपूर्ण भाषण और धमकी के जरिए निशाना बनाने से भाजपा की विद्यार्थियों के खिलाफ सोच का पता चलता है। एक लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेदों का जवाब धमकी से नहीं दिया जा सकता। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान मूक दर्शक बनकर मौजूद रहे भाजपा विधायकों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उनकी निष्क्रियता का अभिप्राय उस भाषण को मौन सहमति देना था। भंडारी ने कहा कि कांग्रेस ने उस घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त की है और जांच के दौरान वह उसे जांच अधिकारियों को सौंपेगी। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)संबंधी विवाद को लेकर राजनीतिक विरोध के आलोक में भाजपा ने उडुप्पी में विरोध प्रदर्शन किया था।

पूर्व मंत्री अलागिरी की बेटी बैंक प्रबंधक से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद रिहा

चेन्नई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरी की बेटी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि की पोती कायलविझी अलागिरी को चेन्नई पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक के साथ कथित मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया। हालांकि उन्हें पुलिस थाने से ही जमानत देकर रिहा कर दिया गया। कायलविझी 28 जुलाई को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत समन मिलने के बाद शास्त्री नगर पुलिस थाने के जांच अधिकारी के सामने पेश हुईं।

लगभग दो घंटे की पूछताछ के बाद कायलविझी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया और थाने से ही जमानत दे दी गई, क्योंकि उन पर दर्ज अपराधों के लिए अधिकतम सजा तीन साल से कम है। पुलिस ने कयालविझी पर जमानत के लिए जो शर्तें लगाई हैं उनमें जांच में सहयोग करने और शहर छोड़ने की कोई भी योजना बनाने से पहले अधिकारियों को सूचित करने की शर्त शामिल है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/190/2026 दिनांक: 23.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे के यशवंतपुर-तुमाकुरु सेक्शन के बीच दोडबेले स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन का निर्माण (इलेक्ट्रिफिकेशन के साथ), छोटे पुलों का विस्तार, एफओबी का विस्तार, टाइप-2 क्वार्टर, रेस्ट हाउस, प्लेटफॉर्म और डेवलपमेंट एरिया का निर्माण तथा अन्य संबंधित कार्य (संयुक्त कार्य)। (निविदा संदर्भ सं.: YPRTK-DBL-ADDL-LOOPLINE)	रु. 15,12,42,737/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.08.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी

PUB/329/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 17 UBL 2026-27, दिनांक: 22.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार ई-नीलामी / ई-निविदा हेतु निविदादाताओं को आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	**हुबली विभाग:** लोंडा पर प्रसित्थापन के तहत 12 यूनिट - टाईप-2 वाला स्टॉफ गृहों का प्रस्तावित निर्माण कार्य।	रु. 2,96,82,313.00
2	**हुबली विभाग:** प्रस्तावन के अनुसार 03 स्टेशनों पर (करंझोल, दूधसागर और सोनालियम स्टेशन) स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण कार्य (एसएम रूम, आईपीएस रूम, रखरखाव रूम, आदी. के सहित)।	रु. 2,39,11,476.00
3	**हुबली विभाग:** लोंडा रेलवे स्टेशन पर पीएफ नं. 2 और 3 पर प्लॉटफार्म शेल्टर, फ्लोरिंग और मौजूदा कमरों का सुधारण।	रु. 1,71,09,465.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.08.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली

PUB/328/AAMG/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कर्नाटक देश के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को लीड करता है : डॉ जी. परमेश्वर

ईस्ट पॉइंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के स्नातक दिवस में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ईस्ट पॉइंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने अपने परिसर ज्ञानप्रभा में स्नातक दिवस 2026 का आयोजन किया जिसमें स्नातक करने वाले इंजीनियरिंग विभाग के सर्वश्रेष्ठ छात्र और संस्थान के सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए विशेष मान्यताओं के साथ-साथ व्यक्तिगत विभागीय पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह में कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री डॉ जी, परमेश्वर मुख्य अतिथि और कर्नाटक सरकार के विधान परिषद सदस्य के. गोविंदराज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ईस्ट पॉइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस, प्रमुख प्रमोद गौड़ा और राजीव गौड़ा भी उपस्थित थे।

डॉ. जी परमेश्वर ने इंजीनियरिंग विषय के 527 के अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों को बधाई देते हुए डिग्री प्रदान की। डॉ. परमेश्वर ने कहा कि भारत इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ में ग्लोबल लीडर के तौर पर उभरा है, जिसमें बेंगलूरु और कर्नाटक का बड़ा रोल है। यहां मौजूद मल्टीनेशनल कंपनियां न केवल हमारे युवाओं के लिए नौकरियां पैदा कर रही हैं, बल्कि दुनिया को टेक्नोलॉजी और सर्विसेज़ भी दे रही हैं। कंपनियां टियर-टू शहरों में भी इन्वेस्ट करने को तैयार हैं क्योंकि कर्नाटक दुनिया के सबसे बड़े टैलेंट पूल में से एक है। कर्नाटक देश के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को लीड करता है, जो युवा इनोवेटर्स को आइडिया को प्रैक्टिकल सॉल्यूशन में बदलने में मदद करता है। हमारे युवा ग्रेजुएट्स को न सिर्फ इन बदलावों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए, बल्कि उन्हें लीड भी करना चाहिए और हमें एजुकेशन, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में सबसे आगे रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कावेरी मुद्दे पर बुलाई सर्वदलीय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। यह फैसला कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने का निर्देश देने के बाद लिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने साफ किया कि राज्य में पानी की कमी है, और पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं है। ऐसी स्थिति में पानी छोड़ना मुमकिन नहीं है, इसलिए सरकार सोच-समझकर सही फैसला लेगी। सीडब्ल्यूसी ने मंगलवार को कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह 29 जुलाई से अगले 15 दिनों तक बिलिगुंडलू में 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित करे, जो कुल मिलाकर लगभग चार टीएमसी पानी के बराबर होता है। परमेश्वर ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। ऐसे मुद्दे उठते रहते हैं। जब पानी उपलब्ध होता है, तो उन्हें (तमिलनाडु को) मांगने की ज़रूरत नहीं पड़ती; हम पानी छोड़ देते हैं। चाहे पिछले साल की बात हो या उससे पहले के साल की, हमने उन्हें आवंटित मात्रा से ज़्यादा पानी छोड़ा था।''

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''जब इस बार स्थिति ऐसी है कि हमारे पास पीने का भी पर्याप्त पानी नहीं है, तो हमसे 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव बनाए रखने के लिए कहना कितना सही है? जब हमारे पास पानी होगा, हम इसे छोड़ देंगे, इसमें कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है।'' परमेश्वर ने तीन अगस्त को वार्ता के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के बेंगलूरु आने की संभावना पर कहा, अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है। अगर वह आते हैं, तो हम उनके साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। बुधवार को मुख्यमंत्री द्वारा नई दिल्ली में कानूनी विशेषज्ञों और राज्य की टीम के साथ कावेरी मुद्दे पर की जा रही बातचीत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, दिल्ली में सांसदों के साथ हुई हालिया बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन कटारकी और जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी सहित अन्य लोग मौजूद थे। मैं कुछ काम से बेंगलूरु लौट आया था।

कावेरी मुद्दे पर एकजुट हों, तमिलनाडु को रेगिस्तान बनने से बचाएं : दुरईमुरुगन

वेल्लोर। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता दुरईमुरुगन ने तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों से मतभेद भुलाकर कावेरी नदी विवाद पर एकजुट होने का आग्रह करते हुए कहा कि ''इस मामले पर निष्क्रियता से राज्य रेगिस्तान में बदल सकता है।'' दुरईमुरुगन ने केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी के संसद में दिए हालिया बयान की कड़ी आलोचना की। चौधरी ने दावा किया था कि उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले में यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि मेकेदातु जैसी निर्माण परियोजनाएं शुरू करने से पहले कर्नाटक को तमिलनाडु, केरल या पुडुचेरी की सहमति लेनी होगी।

दुरईमुरुगन ने केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी को तथ्यात्मक रूप से गलत और खतरनाक बताते हुए कानूनी दस्तावेजों और अदालती फैसलों के अंश पढ़े। उन्होंने कहा कि कावेरी नदी पर किसी भी निर्माण के लिए नदी बेसिन से जुड़े संबंधित राज्यों की सहमति आवश्यक है। दुरईमुरुगन ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, यह किसी पार्टी का मुद्दा नहीं है। तमिलनाडु रेगिस्तान में बदल रहा है।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार केंद्रीय मंत्री के बयान का कड़ा विरोध करे और तथ्यों को छिपाने के मामले में सदन में उनके खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाए।

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स एबीआरईएल (आरजे) प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय ए–2, आदित्य बिरला सेंटर, एस.के अहीरे मार्ग, वर्ली, मुंबई – 400030, महाराष्ट्र भारत में है, भारत सरकार के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत उन सभी शक्तियों को प्राप्त करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखती है, जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास टेलीग्राफ लाइनों और खंभों को लगाने के संबंध में होती हैं। यह शक्तियाँ बिजली के पारेषण के लिए बिजली लाइनों या विद्युत संयंत्र स्थापित करने, या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से मांगी जा रही हैं। कंपनी निम्नलिखित पारेषण योजना के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, फिटिंग और अन्य कार्यों के साथ–साथ कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव का कार्य करेगी:

पारेषण योजना का नाम: मेसर्स एबीआरईएल (आरजे) प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की 184 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना, गडग, कर्नाटक के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु पारेषण प्रणाली।

मिनिस्ट्री ऑफ पावर द्वारा मेसर्स एबीआरईएल (आरजे) प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को दी गई सेक्शन 68 की मंजूरी के अनुसार, कर्नाटक के मुंडार्गी में मेसर्स आदित्य बिरला रिन्यूएबल्स सब्सिडियरी लिमिटेड (एबीआरएसएल) के 102 मेगावाट के विंड पावर प्रोजेक्ट में भी ऊपर बताई गई ट्रांसमिशन स्कीम की ट्रांसमिशन लाइन का इस्तेमाल किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइन: मेसर्स एबीआरईएल (आरजे) प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का जेनरेटिंग पूलिंग स्टेशन (जेनरेशन स्विचयार्ड गांव वेंकटपुरा, तालुका मुंडरगी, जिला गडग, कर्नाटक में स्थित) से गडग.II पीएस (ISTS S/s) 220 kV S/c लाइन D/c टावरों पर [लाइन की लंबाई लगभग 8 किमी है, जिसमें से गडग–II पूलिंग स्टेशन के छोर से लगभग 2 किमी का हिस्सा मल्टी–सर्किट टावरों पर बनाया जाएगा, ।

उपरोक्त योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच से, ऊपर से, आसपास से होकर गुजरेगी:

गांवों के नाम	तहसील/तालुका	जिला	राज्य
हल्लीकेरे (हल्लीकेरी), एकलासपुरा (यकलासपुरा), वेंकटपुरा (वेंकटपुर), हल्लीगुड्डी, रामेनहल्ली, जंतली, सिरूर (शिरूरा, शिरूर), अलूर (पेथालुर पेथालूरू)	मुंडरगी	गडग	कर्नाटक
तिम्मापुरा, हरलापुरा	गडग	गडग	कर्नाटक

प्रस्तावित मार्ग संरेखण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के संबंध में अपने आपत्ति/सुझाव लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

नाम: शौकत अली मोहम्मद, पदनाम: जनरल मैनेजर, मेसर्स एबीआरईएल (आरजे) प्रोजेक्ट्स लिमिटेड; ए–2, आदित्य बिरला सेंटर, एस.के अहीरे मार्ग, वर्ली, मुंबई – 400030, महाराष्ट्र ईमेल: shoukat.mohammad@adityabirla.com, फोन: 91 9000716933

निजी विद्यालय में मासूम से दुष्कर्म का आरोप, लोगों ने सड़क जाम की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में एक निजी विद्यालय के शौचालय में साढ़े तीन वर्ष की बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सड़क जाम कर दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला 27 जुलाई को सामने आया, जब विद्यालय से घर लौटने के बाद बच्ची ने अपनी मां से पेट में तेज दर्द होने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य परेशानी समझा, लेकिन दर्द बढ़ने पर मां ने बच्ची से प्यार से पूछताछ की।

पुलिस के अनुसार, बच्ची ने बताया कि विद्यालय का एक पुरुष कर्मचारी उसे शौचालय में ले गया, जहां उसने उसे कसकर पकड़ लिया और उसके निजी अंगों को बार-बार छुआ। इसके बाद से ही उसे दर्द होने लगा। परिजनों ने 28 जुलाई को स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग विद्यालय के बाहर एकत्र हो गए और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। देर रात तक गिरफ्तारी नहीं होने पर आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

प्रदर्शनकारी पूरी रात विद्यालय के बाहर डटे रहे। पूर्व विधायक श्रीराम भींचर और भाजपा नेता प्रकाश भाकर सहित कई जनप्रतिनिधि भी प्रदर्शन में शामिल हुए। पूर्व विधायक ने सुबह चार बजे तक धरने पर बैठकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। डीडवाना के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विक्की नागपाल और थाना प्रभारी पंकज कुमार मौके पर पहुंचे तथा प्रदर्शनकारियों से बात की। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए तीन दिन का समय मांगा तथा कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद सुबह करीब चार बजे जाम समाप्त कर दिया गया।

नागपाल ने कहा, परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जिला कलेक्टर अवधेश मीणा ने जांच के लिए एक समिति का गठन किया है, जो तीन दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। तब तक विद्यालय बंद रहेगा। उन्होंने कहा, बच्ची अभी आरोपी की पहचान नहीं कर पाई है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने इसे मानवता को शर्मसार करने वाली घटना बताते हुए त्वरित अदालत में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मकराना के एक विद्यालय में साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की भयावह घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। यह जघन्य कृत्य मानवता पर कलंक है। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा किसी भी सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान की भाजपा सरकार इस कसौटी पर अब तक विफल रही है।

अध्यापकों की कमी को लेकर गहलोत ने साधा भाजपा सरकार पर निशाना

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा विभाग में अध्यापकों के खाली पदों को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और इसे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया। गहलोत ने एक बयान में कहा कि शिक्षा विभाग में रिक्त पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है। उन्होंने कहा, भाजपा ने अपने संकल्प पत्र 2023 के पृष्ठ 33 पर लिखित वादा किया था- हम शिक्षा विभाग की सभी रिक्तियों को एक वर्ष में भरने के लिए संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि आज सरकार को ढाई वर्ष से अधिक हो गए हैं और शिक्षा विभाग में रिक्त पदों का आंकड़ा बढ़कर लगभग डेढ़ लाख पहुंच गया है।

गहलोत ने दावा किया कि राज्य में अकेले व्याख्याता के 51,073, वरिष्ठ अध्यापक के 24,384 एवं प्राचार्य के 15,921 पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि एक-एक शिक्षक दो-तीन कक्षाएं संभाल रहा है, विज्ञान-गणित-अंग्रेजी जैसे विषयों की पढ़ाई ठप है और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी प्रभावित हो रही है।

गुरु पूर्णिमा पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संत-महंतों का सम्मान कर लिया आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को डीग के पूंछरी में संत-महंतों एवं गुरुओं का सम्मान-अभिनंदन किया। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर परिसर में आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में संत-महंतों को श्रद्धापूर्वक शॉल-दुपट्टा ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सपत्नीक भगवान श्रीनाथजी एवं परिक्रमा मार्ग पर स्थित मुकुट मुखारविंद का पंचामृत से अभिषेक किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की तथा देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण के लिए कामना की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूंछरी का लौठा पहुंचकर गुरुओं एवं संत-महात्माओं का वंदन-पूजन करते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरुओं का अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने संतों एवं श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी भी परोसी। मुख्यमंत्री भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर के महंत स्व. श्री रामदास जी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक गुरु वंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संत-महात्माओं का सम्मान किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बड़ा हनुमान मंदिर परिसर के समीप जनसुनवाई की तथा अधिकारियों को आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह को गोवर्धन परिक्रमा क्षेत्र के जतीपुरा स्थित श्री वन बिहारी जी मंदिर में भी दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्री अष्ट सखा गोविंद स्वामी जी बैठक एवं अष्ट द्वार के साथ ही ऐतिहासिक ऐरावत कुंड का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को मंदिर परिसर, बैठक स्थल और ऐरावत कुंड के जीर्णोद्धार, सौंदर्यकरण एवं समुचित संरक्षण को लेकर दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक मंगला दर्शन किए तथा प्रदेश की निरंतर प्रगति और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम एवं विधायक डॉ. शैलेश सिंह एवं जगत सिंह भी उपस्थित रहे।

एसडीजी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) की राज्य स्तरीय क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की बैठक बुधवार को यहां मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने वर्ष 2030 तक निर्धारित एसडीजी लक्ष्यों की राज्य में प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को नीति आयोग और राज्य संकेतकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य ने पोषण, पेयजल सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है जबकि कुछ क्षेत्रों में अभी और सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप योजनाओं एवं गतिविधियों को समन्वित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजना विभाग को सभी संबंधित विभागों के साथ नियमित समन्वय स्थापित करके वास्तविक एवं प्रमाणिक आंकड़े हासिल करने के निर्देश दिए ताकि एसडीसी प्रगति रिपोर्ट राज्य की वास्तविक स्थिति को दर्शा सके। उन्होंने वर्ष 2025-26 तक के नवीनतम आंकड़ों को समयबद्ध रूप से पोर्टल पर अपलोड करने, आंकड़ों की संगतता सुनिश्चित करने तथा विभागों को लक्ष्य निर्धारित करते समय उनकी व्यवहारिकता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

आधिकारिक बयान के अनुसार आयोजना विभाग के शासन सचिव रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि राजस्थान को वर्ष 2030 तक निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्य तथा 248 संकेतकों पर काम करना है। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति से अवगत कराया तथा बताया कि किन क्षेत्रों में राज्य निर्धारित लक्ष्य की दिशा में सही प्रगति कर रहा है और किन क्षेत्रों में अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है।

गोद लिए गांवों को नशा मुक्त बनाएं : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत प्रयास तेज करने तथा गोद लिए गए गांवों में नशा उन्मूलन के लिए सक्रिय पहल करने के निर्देश दिए। बागडे ने लोकभवन से 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं के साथ संवाद करते हुए कहा कि नशे के अधिक खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान कर मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ लक्षित अभियान चलाए जाएं। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय अपने परिसरों के आसपास नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों की पहचान करें और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम करें।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे अपने जनसंपर्क कार्यक्रमों में 'नशा मुक्त गांव' की अवधारणा को शामिल करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय गांवों को गोद लेकर स्थानीय समुदायों और प्रभावशाली लोगों के सहयोग से नशे के प्रति जागरूकता फैलाएं तथा नशे से जुड़ी गतिविधियों पर निगरानी रखें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नशा मुक्त भारत की अपील का उल्लेख करते हुए बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय 'माय भारत' पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीकरण सुनिश्चित करें और अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से 100 सप्ताह का विशेष कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिसके तहत रैलियां, कार्यशालाएं और जनजागरूकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर इन कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका भी मौजूद थे। उन्होंने अभियान के तहत विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

खड़े ट्रक से टकराई स्कूल वैन, एक छात्र की मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में बुधवार सुबह एक स्कूल वैन के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा जाने से 15 वर्षीय एक छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बांसवाड़ा की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी अयान वासुनिया (15) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, हादसे में छह से अधिक बच्चे घायल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल छात्र रुद्र नेमा (16) को बेहतर इलाज के लिए उदयपुर भेजा गया है। सिंह ने घायल विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनके परिजनों को आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, घटना की गहन जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद वैन चालक मौके से फरार हो गया और उसकी तलाश की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि वैन का संचालन संभवतः सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर किया जा रहा था। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

गुरु पूर्णिमा पर जयपुर जिले में आयोजित हुआ 'गुरुवंदन' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देवस्थान विभाग द्वारा आयोजित 'गुरुवंदन कार्यक्रम' के तहत जयपुर जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों, मठों एवं मंदिरों में संत-महंतों का श्रद्धा एवं सम्मान के साथ अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करना तथा संत समाज के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करना है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पापड़ के हनुमान जी के महंत कजोड़मल महाराज का एवं मोती डूंगरी मंदिर, परिसर में जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग रतनलाल योगी तथा पूर्व विधायक अशोक परनामी ने मंदिर के महंत कैलाश जी महाराज का शॉल, दुपट्टा, श्रीफल एवं सम्मान सामग्री भेंट कर अभिनंदन किया।

देवस्थान विभाग द्वारा जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धा एवं गरिमा के साथ गुरुजन वंदन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें प्रमुख रूप से मोती डूंगरी मंदिर, खोले के हनुमान जी मंदिर, वीर हनुमान जी मंदिर, त्रिवेणी धाम, गोविंद देव जी मंदिर, गढ़ गणेश मंदिर, डेहर के बालाजी मंदिर, काले हनुमान मंदिर चाँदी की टकसाल, गुप्त वृंदावन धाम, बस्सी, चाकसू, शाहपुरा, सांगानेर, गोनेर ,आमेर ,जोबनेर तथा दूदू आदि क्षेत्र के मंदिर एवं मठ शामिल रहे।

कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं देवस्थान विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में संत-महंतों का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रेषित 'गुरु वंदन संदेश' भेंट किया गया। जिला कलक्टर संदेश नायक ने बताया कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु, संत एवं महंतों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का महत्वपूर्ण पर्व है। इसी भावना के साथ जिलेभर में आयोजित कार्यक्रमों में संत समाज का अभिनंदन कर समाज में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का संदेश दिया गया।

माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं बल्कि प्रथम गुरु भी होती हैं : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तनावड़ा में गुरु वंदन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मातृशक्ति का पूजन किया गया। पटेल ने कहा कि माँ केवल जन्मदायिनी ही नहीं है बल्कि बालक की प्रथम गुरु भी होती है। उन्होंने कहा माता ही बच्चे को नैतिक मूल्यों का पहला पाठ पढ़ाती है।उन्होंने कहा माँ द्वारा दिए गए संस्कार बालक के चरित्र की नींव बनाते हैं। जब यह नींव मजबूत होती है, तो बालक आगे चलकर एक श्रेष्ठ और जिम्मेदार नागरिक बनता है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान जन आंदोलन बन चुका हैं।

उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान चलाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा इस अभियान के तहत 2 वर्ष में 20 करोड़ से भी अधिक वृक्ष लगाए गए हैं और इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

कल्याणकारी योजनाओं पर बनेगी प्रभावी डॉक्यूमेंट्री फिल्म : श्रीनिवास

जयपुर। राजस्थान के दूरस्थ एवं जनजातीय बहुल क्षेत्रों के समावेशी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 196.39 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। बैठक में मुख्य सचिव ने जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन, फील्ड विजिट्स तथा केंद्र सरकार की गाइडलाइंस के अनुपालन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आर्टिकल 275(1) के तहत जनजातीय अंचल में हुए उल्लेखनीय बदलावों, यथा ड्रोन लॉजिस्टिक्स, सैटेलाइट ट्राइबल हेल्थ रिसोर्स सेंटर, पशुपालन के लिए सेक्स-सॉर्टेड सीमन तकनीक तथा एसटीईएम लैब्स जैसी नवाचारी परियोजनाओं की सफलता पर एक उच्च गुणवत्तायुक्त डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार की जाए, जिससे राज्य की इन सर्वोत्तम प्रथाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय प्रस्ताव तैयार करते समय जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनमन कार्यक्रम से संबंधित सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि अधिकारी केवल कागजी प्रतिवेदन तक सीमित न रहें, बल्कि एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों, आश्रम छात्रावासों, माँ बाड़ी केंद्रों तथा निर्माणाधीन बुनियादी ढांचागत कार्यों का स्वयं औचक निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि विकास प्रस्तावों के चयन में वास्तविक रूप से जरूरतमंद, दूरस्थ जनजातीय बस्तियों, विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह के बाहुल्य क्षेत्रों तथा दुर्गम ग्रामीण पॉकेट्स को प्राथमिकता दी जाए, ताकि विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके।मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार की प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी से समय पर वित्तीय स्वीकृति एवं बजट आवंटन के लिए अनुमोदित प्रस्तावों को बिना विलंब दिल्ली भिजवाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रतिबद्ध देयताओं के अंतर्गत जसवंतपुरा (जालौर) एवं बाली (पाली) के आवासीय विद्यालयों, आश्रम छात्रावासों, खेल छात्रावासों तथा सड़क-पुलिया निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। सामान्य अनुदान मद के अंतर्गत विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह समुदाय के लिए 28 कम्युनिटी क्रैच , 1,820 युवाओं के लिए बाजार-उन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण, 500 जनजातीय परिवारों के लिए एकीकृत कृषि मॉडल तथा 26 आवासीय विद्यालयों में एसटीईएम लैब्स की स्वीकृति दी गई है।

जोराराम कुमावत ने पाली में किया संतों का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देवस्थान विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूरे प्रदेश में एक अनूठी और भव्य पहल की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विभाग द्वारा संपूर्ण राजस्थान में 516 पूज्य संतों और महंतों का सम्मान किया गया। इसी राष्ट्र-व्यापी और सांस्कृतिक संरक्षण की कड़ी में पाली जिले में भव्य गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने स्वयं विभिन्न आश्रमों, मठों और मंदिरों का दौरा कर संतों का अभिनंदन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विशेष रूप से प्रेषित ''गुरु वंदन संदेश'' संतों को भेंट किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस मौके पर मंत्री कुमावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। संत-महात्मा समाज को सही दिशा दिखाने और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को सहेजने के लिए पूरी तरह संकल्पित है, और यह आयोजन इसी सम्मान की भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज का समाज जब भौतिकता की दौड़ में अपनी शांति खो रहा है, तब संतों और गुरुओं के विचार ही हमें मानसिक शांति और जीवन जीने का सही उद्देश्य सिखाते हैं। संत निस्वार्थ भाव से पूरे समाज के कल्याण की कामना करते हैं। वे हमें सिखाते हैं कि परोपकार ही सबसे बड़ा धर्म है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात कर राज्य में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और राहत एवं पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया। असम में इस साल बाढ़ के कारण अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 3.32 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ समय पहले मुझे फोन कर असम बाढ़ के मद्देनजर जारी राहत प्रयासों की समीक्षा की।''

उन्होंने कहा कि शाह ने जमीनी स्थिति के बारे में जानकारी ली और यह आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक हर सहायता उपलब्ध कराती रहेगी।

शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री को उनके निरंतर सहयोग और असम के लोगों के प्रति 'अटूट प्रतिबद्धता'' के लिए आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने (अमित शाह) कहा है कि केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां और संसाधन इस कठिन समय में असम के लोगों के लिए उपलब्ध हैं। यह दूसरी बार है जब शाह ने बाढ़ की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री से बात की है। इससे पहले उन्होंने 23 जुलाई को भी इस संकट की समीक्षा की थी।

राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी : रास में सदस्यों ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के उद्देश्य से लाए गए राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बुधवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान सदस्यों ने राष्ट्र प्रतीकों के सम्मान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा कहा कि राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी।

विधेयक में राष्ट्रगीत के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने और दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक की सजा, जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं। उच्च सदन में इस विधेयक पर हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि पिछले 123 साल से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा कहलाने वाले राष्ट्रगीत का बार-बार अपमान हुआ। यह विधेयक सदन में 24 जुलाई को पेश किया गया था। लेकिन नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही में बार-बार व्यवधान होने के कारण इस विधेयक पर चर्चा नहीं हो पाई। इस विधेयक पर सदन में चर्चा आज हुई जिसमें हिस्सा लेते हुए भाजपा सदस्य अग्रवाल ने कहा कि क्रांतिकारियों को अपमानित करने के लिए ''वंदे मातरम'' का अपमान किया जाता था लेकिन आज जोश भर देने वाले राष्ट्रीय प्रतीक ही अपमानित हो जाते हैं।

दास ने कहा कि राष्ट्रगीत को आजादी के 75 साल बाद कानूनी संरक्षण की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। वाईआरएस कांग्रेस पार्टी के गोला बाबूराव ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान हमारे संस्कारों पर भी सवाल उठाता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि ''पिंगली वेंकैया ने हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) का मूल डिजाइन तैयार किया था, जिसके आधार पर वर्तमान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया। पिंगली वेंकैया राष्ट्रीय प्रतीक हैं।'' उन्होंने मांग की कि पिंगली वेंकैया के परिजन आज बेहद कठिनाई का सामना कर रहे हैं और उनकी मदद की जानी चाहिए। राजद के मनोज कुमार झा ने कहा पहली बार देख रहा हूं कि राष्ट्रीय गान को राष्ट्रीय गीत के सामने खड़ा किया जा रहा है। बीआरएस के रविचंद्र वद्दीराजू ने कहा, ''समय को देखते हुए यह विधेयक अनिवार्य लगता है। हर राज्य में और देश में राष्ट्रीय प्रतीक हैं लेकिन हम आपसी प्रतिद्वंद्विता में, निहित स्वार्थ के चलते उनका अपमान करते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' तेदेपा के विजय चिंताकायला ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि देश सर्वोपरि है और इसके सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम'' का जयघोष करते हुए कितने लोगों ने बलिदान दिए हैं, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भाजपा के मयंक कुमार नायक ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम'' ने राष्ट्रभक्ति की भावना के प्रसार में कालजयी भूमिका निभाई है। सवाल यह है कि देश की आजादी के 75 साल के बावजूद वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण क्यों नहीं मिल पाया?''

कांग्रेस को निशाना बनाते हुए नायक ने इसके लिए पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा वंदे मातरम् कांग्रेस का, भाजपा का या अन्य किसी दल का नहीं है बल्कि यह हम सबका है। शिवसेना की डॉ ज्योति नागनाथ वाघमारे ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं है बल्कि यह गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर निकलने वाली आजादी की हुंकार है जिसका हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए।

केरल सरकार ने शासन व्यवस्था में पांच अहम सुधारों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंनतपुरम/भाषा। केरल मंत्रिमंडल ने शासन में पांच महत्वपूर्ण सुधारों को बुधवार को मंजूरी दे दी। इन सुधारों का उद्देश्य लोक प्रशासन को मजबूत करना, पारदर्शिता बढ़ाना और उन खामियों को दूर करना है जिनकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में राज्य के राजस्व को भारी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से शासन और 'परियोजना निगरानी' के लिए एक व्यापक डिजिटल अवसंरचना तैयार होगी।सतीशन ने बताया कि पहला सुधार 'संपथ' (प्रशासन, निगरानी और समन्वय के लिए विशेष परिसंपत्ति प्रबंधन मंच) बनाना है। यह एक केंद्रीयकृत डिजिटल मंच होगा जिस पर सरकार की सभी परिसंपत्तियों-जैसे जमीन, इमारतें, विरासत ढांचे, सड़कें, बांध, पुल, वाहनों और मशीनरी का विवरण दर्ज होगा।

उन्होंने बताया कि दूसरा सुधार प्लानस्पेस 2.0' का विकास है, जो जीआईएस-सक्षम परियोजना रजिस्ट्री है और इसके जरिये विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा मंजूर की गई सभी पूंजीगत परियोजनाओं पर डिजिटल नजर रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मंच जियो-टैगिंग' को शामिल करेगा और प्रत्येक परियोजना को स्थान, लागू करने वाली एजेंसी, मंजूरी देने वाले प्राधिकार, वित्तपोषण का स्रोत और निर्माण के चरण जैसी जानकारियों के साथ दर्शाएगा। सतीशन ने कहा कि तीसरे सुधार के तहत सभी सरकारी संस्थानों की एक व्यापक रजिस्ट्री तैयार की जाएगी।

भोजशाला विवाद : न्यायालय वैकल्पिक नमाज स्थल संबंधी मुस्लिम पक्ष की याचिका पर आज सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें कहा गया है कि मध्यप्रदेश के धार में विवादित भोजशाला परिसर के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराने के अदालती निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने 24 जुलाई को कहा था कि याचिका पर बुधवार को सुनवाई की जाएगी। हालांकि, पीठ के जल्दी उठ जाने के कारण इस पर सुनवाई नहीं हो सकी। पीठ जब दिन की कार्यवाही खत्म करने वाली थी, तब वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी ने इस मामले का उल्लेख किया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई होगी। मामले का उल्लेख किए जाने के दौरान, प्रधान न्यायाधीश ने मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा, आप श्री अहमदी को वैकल्पिक जगह की जानकारी क्यों नहीं देते? अहमदी ने कहा, आपके आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा। स्थान 1.3 किलोमीटर दूर है और (ज़िला) कलेक्टर ने आदेश दिया है कि सिर्फ़ यही स्थल आवंटित किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि अदालत के पहले के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। विधि अधिकारी ने कहा कि प्रशासन ने एक और जगह की पहचान की है।

उन्होंने पीठ से कहा, ''नहीं, नहीं। हम फिर से मिले थे। हमारे पास एक और जगह है।'' हालांकि, अहमदी ने प्रस्तावित जगह पर आपत्ति जताई तथा कहा कि यह स्थान उपयुक्त नहीं है और बहुत दूर है।

उन्होंने कहा कि भोजशाला स्थल के पास एक दरगाह है और उसके सामने ज़मीन है जो आवंटित की जा सकती है। पीठ ने 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जब तक मामले का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक विवादित भोजशाला परिसर (जिसे मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर घोषित किया था) के पास जुमे की नमाज़ के लिए अपराह्न एक बजे से तीन बजे के बीच एक अलग खुली जगह उपलब्ध कराई जाए।

केरल सरकार ने ब्रह्मोस परियोजना के लिए अतिरिक्त भूमि मंजूर की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को राजधानी जिले में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ब्रह्मोस परियोजना के लिए अतिरिक्त 90 एकड़ भूमि आवंटित करने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इससे पहले इस परियोजना के लिए 90 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जबकि वास्तव में इसके लिए 180 एकड़ जमीन की आवश्यकता थी।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त 90 एकड़ भूमि मिलने से परियोजना को बाकी आवश्यक स्वीकृति हासिल करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पहले केवल 90 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी, जबकि 180 एकड़ की जरूरत थी। अब मंत्रिमंडल ने शेष 90 एकड़ भूमि आवंटित करने का फैसला किया है। यह भूमि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को दी जा रही है।'' सतीशन ने कहा कि मंत्रिमंडल ने 'केरल स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड' (केल्ट्रॉन) की अधिकृत शेयर पूंजी को 35 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 60 करोड़ रुपये करने का भी फैसला किया है।

इस साल दो मार्च को पूर्ववर्ती पिनराई विजयन सरकार ने उन्नत मिसाइल और अन्य रणनीतिक इकाई स्थापित करने तथा संबंधित गतिविधियों के लिए कट्टक्कडा तालुक के कल्लिक्कड़ गांव में ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड को 180 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित करने का फैसला किया था। चाकाई स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड (बीएटीएल) एक प्रमुख रक्षा उत्पादन इकाई है।

पुरी का जगन्नाथ मंदिर बुधवार शाम 'श्रीमुख श्रृंगार' अनुष्ठान के लिए रहेगा बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर बुधवार शाम को बनकलागी नीति' अनुष्ठान हेतु पांच घंटे तक श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा।

'बनकलागी नीति' एक गुप्त अनुष्ठान है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के चेहरों को प्राकृतिक रंगों से फिर से सजाया जाता है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने एक अधिसूचना में कहा, बुधवार (29 जुलाई, 2026) को आषाढ़ शुक्ल (व्यास पूर्णिमा) तिथि के अवसर पर देवी-देवताओं की 'बनकलागी नीति' संपन्न की जाएगी। इसलिए दूसरी भोग मंडप सेवा पूरी होने के बाद शाम छह बजे से रात 11 बजे तक सार्वजनिक दर्शन अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगे। 'बनकलागी' को 'श्रीमुख श्रृंगार' भी कहा जाता है।

यह अनुष्ठान पारंपरिक रूप से बुधवार या बृहस्पतिवार को किया जाता है। इस दौरान 12वीं शताब्दी के इस मंदिर के सभी द्वार बंद रहते हैं। 'दत्त महापात्र' नामक विशेष सेवादारों का एक समूह 'रत्न सिंहासन' पर जाकर भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के चेहरों का फिर से शृंगार है। लगभग चार से पांच घंटे तक चलने वाले इस अनुष्ठान में केवल प्राकृतिक और जैविक रंगों के साथ कस्तूरी, कपूर और केसर जैसी सुगंधित सामग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है।

उत्तरी ओडिशा में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 1.25 लाख लोग प्रभावित

भुवनेश्वर/भाषा। उत्तरी ओडिशा में बुधवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और लगातार हो रही बारिश से प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ गया एवं कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। बाढ़ से राज्य के पांच जिलों में 1.25 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को देखते हुए 10 जिलों में स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गहरे दबाव के कारण हुई वर्षा से नदियां उफान हैं। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर जिलों के गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है और कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि बालासोर जिले में बुधबलंगा और जालका नदियों में आयी बाढ़ से कई गांवों में पानी भर गया है, जबकि भद्रक और जाजपुर जिलों में बैतरणी, बुधा और सालंदी नदियों ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, क्षेत्र की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले करीब 50,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इन लोगों को राहत केंद्रों में पहुंचाया गया है, जहां उन्हें पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) और दमकल विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बाढ़ प्रबंधन की निगरानी और राहत कार्यों के समन्वय के लिए सबसे अधिक प्रभावित बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों में तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को भी तैनात किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों के दौरान ओडिशा के कई स्थानों पर अत्यधिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है।

एसईसीएल ने निष्क्रिय पड़ी 28 खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. की अनुषंगी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (एसईसीएल) ने पिछले दो वित्त वर्षों में बंद पड़ी 28 कोयला खदानों को वैज्ञानिक तरीके से बंद किया है। यह पहल भूमि क्षरण, सुरक्षा जोखिम और बिना उपयोग वाले बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों से निपटने के उद्देश्य से की गई है। कंपनी ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि वैज्ञानिक तरीके से बंद की जाने वाली 54 परित्यक्त यानी बंद पड़ी खदानों की पहचान की गई थी। इनमें से वित्त वर्ष 2024-25 में तीन और 2025-26 में 25 खदानों को सफलतापूर्वक वैज्ञानिक तरीके से बंद किया गया। एसईसीएल का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 और खदानों को बंद करना है, जबकि शेष 15 खदानों को वित्त वर्ष 2027-28 में चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा।

एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने कहा, खदान बंद होना खनन गतिविधि का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। कंपनी का उद्देश्य भूमि पुनर्स्थापन, पर्यावरण संरक्षण और पुनर्विकसित खदान क्षेत्रों को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आजीविका सृजन तथा स्थानीय समुदायों के उपयोगी संसाधन के रूप में विकसित करना है।

उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका की सुनवाई के लिए सहमति जताई

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मध्यप्रदेश कांग्रेस के अयोग्य ठहराए गए विधायक राजेंद्र भारती की याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई। इस याचिका में उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें धोखाधड़ी के एक मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। यह मामला 1998 से 2011 के बीच अवैध ब्याज भुगतान हासिल करने के लिए बैंक रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़ा है। निचली अदालत ने दो अप्रैल को इस मामले में जिला सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष भारती को तीन साल की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने के बाद, उच्च न्यायालय ने 28 अप्रैल को इस मामले में पूर्व विधायक को सुनाई गई तीन साल की सजा पर रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय ने हालांकि 10 जुलाई को इस मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। दोषसिद्धि के बाद भारती को राज्य विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। निर्वाचन आयोग ने भारती के निर्वाचन क्षेत्र दतिया के लिए 30 जुलाई को उपचुनाव कराने की अधिसूचना जारी कर दी है।

नूंह में 'जीवित समाधि' का करतब बना काल, युवक की दम घुटने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के नूंह जिले में पारंपरिक ग्रामीण सर्कस दल के 27 वर्षीय युवक की 'जीवित समाधि' के करतब के दौरान कथित रूप से दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि इस करतब में युवक को तीन दिन तक बोरे में जिंदा बंद रहने के बाद बाहर निकलना होता था। पुलिस ने कहा कि युवक पहले कई बार इसे अंजाम दे चुका था, लेकिन इस बार के करतब (स्टंट) के दौरान हुई गड़बड़ी से उसकी जान चली गई। फरीदाबाद के गौंची गांव के निवासी दीपक को जब उनके साथियों ने बोरे से बाहर निकाला तो वह अचेत थे। ''जीवित समाधि'' करतब के तहत दीपक को बोरे में बंद करने के बाद एक गड्ढे में रख उसे मिट्टी से ढंक दिया गया था। 'जीवित समाधि' नाम का यह करतब ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि दीपक को 23 जुलाई को गड्ढे में उतारा गया था और अंदर ही दम घुटने से उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बाहर निकाले जाने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि मौत की परिस्थितियों की जांच अभी जारी है। पुलिस के अनुसार, दीपक का परिवार पारंपरिक कलाकारों का परिवार है, जो एक गांव से दूसरे गांव जाकर प्रदर्शन करते हैं। दीपक भी करीब 15 वर्षों से इस तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहा था। ये सभी नूंह जिले के तावड़ू क्षेत्र के खौरी गांव में एक खाली प्लाट पर डेरा डाले हुए थे। समाधि के इस करतब से पहले दीपक ने भीड़ के मनोरंजन के लिए साइकिल पर कई तरह के करतब किए। उसका आखिरी करनामा जीवित समाधि था, जिसमें दीपक को एक बोरे में रखकर एक विशेष रूप से खोदे गए गड्ढे में उतारा गया और उसके ऊपर मिट्टी का ढेर डाल दिया गया।

कब्रें भी नहीं रहीं सुरक्षित : केरल में ग्रेनाइट स्लैब चोरी की घटनाओं से लोग स्तब्ध

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के पथनमथिट्टा जिले के मल्लपल्ली स्थित गिरजाघरों के कब्रिस्तान वर्षों से ऐसे स्थान रहे हैं, जहां परिवार अपने दिवंगत परिजनों को शांतिपूर्वक श्रद्धांजलि देने और उन्हें याद करने के लिए आते रहे हैं, लेकिन यहां अब चोरी की ऐसी घटना सामने आई है जिसने लोगों को हैरानी में डाल दिया है। कब्रिस्तान में लगातार दो दिनों में दो कब्रों पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब चोरी हो गयीं जिससे कब्रें खुली पड़ी हैं और स्थानीय लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ये किसने किया और आखिरकार कोई मृतकों के अंतिम विश्राम स्थल को क्यों निशाना बनाएगा?

लगातार हुई इन दो घटनाओं ने मल्लपल्ली के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। यहां कब्रिस्तान केवल दफनाने की जगह नहीं, बल्कि यादों, आस्था और पारिवारिक इतिहास के प्रतीक माने जाते हैं। ताजा घटना मल्लपल्ली के मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में सामने आई, जहां थाइकोट्टाथिल परिवार के एक सदस्य की कब्र पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब गायब मिली। गिरजाघर के प्रबंधन ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इससे 24 घंटे पहले मंकुझीपाडी स्थित 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में भी इसी तरह की घटना हुई थी। मंकुझीपाडी में थन्निक्कल परिवार से जुड़ी कब्र पर लगी बड़ी ग्रेनाइट स्लैब भी चोरी हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुविचार

बुरी आदतें धीरे-धीरे बढ़ती हैं, और जीवन को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतें अपनाएं, अनुशासन बनाए रखें, जीवन बेहतर बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तूफानों का सामना कैसे करेगा नया खून?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल के वीर शहीदों को याद कर उन्हें देशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि दी है। जुलाई में देशभर में कारगिल के शहीदों के सम्मान में कार्यक्रम होते हैं। वहीं, अगस्त में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। उन योद्धाओं ने अपनी जान की बाज़ी लगाकर हमारे देश की स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा की थी। उन्हें याद करना इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि वे उस ज़माने का नया खून थे। उनके कारनामों पर फख्र होता है। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर से लेकर भारत के विभिन्न शहरों में सीजेपी प्रदर्शन के नाम पर जिस तरह कई लोगों ने अभद्रता और अश्लीलता का तांडव मचाया, आपत्तिजनक इशारे किए, उससे माथा शर्म से झुक जाता है। ये लोग किन्हें अपना आदर्श मान बैठे हैं? इन्हें ऐसी हरकतें किसने सिखाईं? आज के कई युवाओं को कारगिल के अमर बलिदानियों के बारे में कुछ मालूम ही नहीं है। वे दिनभर रील देखते हैं और उन लोगों को अपना हीरो मानते हैं, जिन्होंने फिल्मों और वेबसीरीजों में अश्लीलता की बारिश कर रखी है। वे उनके आपत्तिजनक संवादों को दोहराकर खुद को आधुनिक दिखाना चाहते हैं। याद करें, कैप्टन मनोज कुमार पांडेय को, जो सिर्फ 24 साल की उम्र में भारत मां के लिए बलिदान हो गए थे! इतनी ही उम्र में, कैप्टन विक्रम बत्रा साहस और बलिदान की मिसाल बन गए थे। कैप्टन सौरभ कालिया ने देश के लिए प्राण दे दिए, लेकिन अपने लक्ष्य से नहीं डिगे थे। मेजर विवेक गुप्ता सख्त हालात में तोलोलिंग पर तिरंगा लहराने का इरादा लेकर निकले थे। मेजर पद्मपाणि आचार्य गोलियों की बौछार में भी लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे थे। ऐसे कई बलिदानियों ने उस युद्ध में सीने पर गोलियां खाई थीं। उन्होंने अपना लहू बहाया था, इसलिए आज हम सुरक्षित हैं। युवाओं के आदर्श ऐसे योद्धा होने चाहिएं, न कि वे कथित सेलिब्रिटी जो उन्हें उल्टी सीख देते हैं।

नई पीढ़ी के दिलो-दिमाग में कुछ ऐसी आदतें घर कर गई हैं, जो उन्हें कमजोर बनाती हैं। मोबाइल फोन पर अत्यधिक निर्भरता, सुख-सुविधाओं का आदी होना, मानसिक भटकाव, जरा-सी तकलीफ आते ही आगबबूला हो जाना, सोशल मीडिया पर कोई महंगी चीज देखकर उसे पाने के लिए लालायित रहना - ये आदतें उन्हें कैसा नागरिक बनाएंगी? कभी-कभी महसूस होता है कि इन बच्चों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए, ताकि इनमें कुछ अनुशासन आ जाए, समस्याओं से जूझने का जज्बा पैदा हो जाए। भले ही हथियार चलाने और अन्य तकनीकी विषयों की जानकारी न दी जाए, लेकिन मुश्किल हालात का सामना करना सिखाया जाए। इन्हें बताया जाए कि मोबाइल फोन के बाहर भी एक दुनिया है। उसे देखने का खास नज़रिया पैदा किया जाए। भारत के सामने कौनसी चुनौतियां हैं? हमारे पास कौनसी शक्तियां हैं? हम बाधाओं पर विजय कैसे प्राप्त कर सकते हैं? युवाओं को इनकी जानकारी होना बहुत जरूरी है। कई अभिभावक शिकायत करते हैं कि उनके बच्चों को समय पर कोई चीज न मिले तो वे हंगामा खड़ा कर देते हैं। अगर मनपसंद सब्जी नहीं बनी तो खाना बीच में छोड़ देते हैं। ऑनलाइन ऑर्डर कर पिज्जा, बर्गर आदि मंगवा लेते हैं। अगर किसी कारणवश एक-डेढ़ घंटे के लिए बिजली कटौती हो जाए तो वे पूरी व्यवस्था को कोसने लगते हैं। अगर सुरक्षा संबंधी कारणों से इंटरनेट बंद कर दिया जाए तो एक घंटा बिताना एक युग काटने जैसा लगता है। पिछले दिनों जब पश्चिमी एशिया में सैन्य संघर्ष के कारण देश के कुछ इलाकों में एलपीजी और पेट्रोल की किल्लत के बारे में अफवाह फैली तो वे घबरा गए थे! सोचिए, भविष्य में भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करे और उस दौरान इंटरनेट बंद कर दिया जाए, बिजली आपूर्ति सीमित कर दी जाए और ईंधन पहुंचाने में ज्यादा समय लगे तो नई पीढ़ी की कैसी प्रतिक्रिया होगी? हमें इन बच्चों को मजबूत और चरित्रवान बनाना है, ताकि ये हर तूफान का अटल होकर सामना कर सकें।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर और डीग ज़िलों के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से दिल से बात हुई। इस दौरान हमने विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में संगठन की भूमिका पर चर्चा की। मैंने आह्वान किया कि डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के आखिरी कोने तक पहुंचाएं।

भजनलाल शर्मा

लोकसभा में 'पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' का पास होना एक ऐतिहासिक फैसला है जो देश के करोड़ों युवाओं के सपनों, मेहनत और टैलेंट को मज़बूत सुरक्षा देता है।

-योगी आदित्यनाथ

भारत के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी हिम्मत और लगन और शानदार प्रदर्शन से इंटरनेशनल खेल मंच पर देश के गौरव की कहानी में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ा है।23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में, हरजिंदर कौर और गुलवीर सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रतिभा के कद्रदान

अपनी फिल्म 'तीसरी कसम' के निर्माण में गीतकार शैलेंद्र इस कदर व्यस्त हो गए कि उन्हें निर्माता-निर्देशक बिमल रॉय की कालजयी फिल्म 'बंदिनी' के लिए गीत लिखने का समय ही नहीं मिल पा रहा था। बिमल रॉय ने जब उनसे आग्रह किया कि मेरी फिल्म का एक गीत छोड़कर सभी गीत आप पहले ही लिख चुके हैं तो बकाया एक गीत को भी लिख डालिए तो शैलेंद्र एक दुबले-पतले सिख युवक को लेकर उनके पास गए और बोले कि आपकी फिल्म का बकाया गाना मेरे बदले यह युवक लिखेगा। बिमल रॉय द्वारा पूछने पर उस युवक ने बताया कि उसका नाम संपूर्णसिंह कालड़ा है और वह किसी गैराज में मोटर मैकेनिक है। युवक ने अपनी लिखी कुछ कविताएं भी उन्हें दिखाई। उसकी कविताओं और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर बिमल रॉय ने उसे फिल्म का बकाया एक गीत लिखने को कहा। शैलेंद्र और रॉय जैसे दिग्गजों की प्रेरणा पाकर उस युवक ने एक गीत 'मोरा गोरा अंग लई ले, मोहे श्याम रंग देई दे' लिखा। गीत इतना लोकप्रिय हुआ कि फिल्म 'बंदिनी' की पहचान ही बन गया। शैलेंद्र और बिमल रॉय की उम्मीदों पर खरा उतरने वाले उस सिख युवक को दुनिया आज गीतकार गुलज़ार के नाम से जानती है।

सामयिक

प्रेमचंद की सार्वकालिक प्रासंगिकता

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

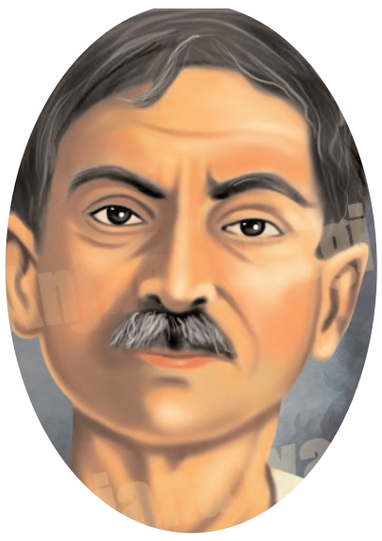

प्रेमचंद की कहानी हो या उपन्यास उसमें विधागत आवश्यक गुण-धर्म मौजूद होते हैं। पहली चीज है, स्पष्टता...उनके कथ्य और कथानक पूर्णतया पारदर्शी होते हैं, उनमें कोई झाम, धुंध या जटिलता नहीं रहती है। दूसरा गुण है प्रवाह, कथाक्रम सहज लयात्मक गति से आगे बढ़ता है। उनके पात्रों के क्रिया- कलाप तर्कपूर्ण होते हैं, मनोद्वन्द्व से गुजरने के बाद ही वह निर्णय तक पहुंचते हैं।

प्रेमचंद को गुजरे नब्बे साल हो चुके हैं। फिर भी उनके उपन्यास और कहानियों का जलवा बरकरार है। उनका पहला कहानी संग्रह 'सोजे वतन' (सन 1908) में संग्रहीत पाँच कहानियाँ- दुनिया का सबसे 'अनमोल रतन', 'शेख मखमूर', 'यही मेरा वतन है', 'शोक का पुरस्कार', 'सांसारिक प्रेम और देशप्रेम' विशुद्ध देश प्रेम की कहानियाँ हैं। इसे उन्होंने नवाब राय के नाम से लिखा था और इसकी भाषा उर्दू थी। इन कहानियों का विषय, चरित्र और भाव हमीरपुर के कलेक्टर को संदिग्ध प्रतीत हुआ। उनका मत था, यह कहानियाँ भारतीयों में बगावत और क्रांति की आग भड़का सकती हैं। इसलिए उन्होंने प्रेमचंद को तलब किया और उनके पास उपलब्ध सोजे वतन' की समस्त प्रतियां लेकर जलवा दीं, साथ ही भविष्य में उन्हें न लिखने की हिदायत दी।

इसके पूर्व नवाब राय उर्दू में 'असरार-ए-मआबिद' (सन 1903) और हमखुर्मा हमसवाब' (सन 1907) दो उपन्यास लिखकर अपनी एक पहचान बना चुके थे। कलेक्टर साहब की हिदायत के बाद उन्होंने मुंशी दयानारायण निगम की सलाह पर अपना नाम बदलकर प्रेमचंद' रख लिया और हिन्दी में सामाजिक विषयों पर लिखने लगे। ग्रामीण जीवन और किसान समस्या, स्त्री विमर्श, सामाजिक बुराइयाँ और छुआछूत, धार्मिक पाखंड, जाति-व्यवस्था का दंश, जमींदारों के शोषण, मजदूरों की समस्या, बेगार, कर्ज में डूबी जिन्दगियों पर उन्होंने कई यादगार कहानियाँ लिखीं। मानवीय संवेदना और बाल मनोविज्ञान को केंद्र में रखकर लिखी गई ईदगाह', सद्गाई और लोक आदर्श को सामने लाने वाली पंच परमेस्वर', गरीबी और कर्ज में डूबे किसान की दुर्दशा बयान करती 'पूस की रात' जैसी कहानियाँ 'एक क्लासिक' का दर्जा रखती हैं। उनके लेखन का कालखण्ड स्वतंत्रता आन्दोलन के उत्तेजना भरे गर्मागर्म दिन थे। अपने लेखन में वह इसकी उपेक्षा कैसे कर सकते थे? 'शराब की दुकान', 'सोहाग की साड़ी', 'जुलूस' स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ी बेजोड़ कहानियाँ हैं। उनके उपन्यास 'कर्मभूमि' में तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य की विविध जीवंत छवियाँ हैं।

प्रेमचन्द का लेखन जिन विषयों पर था, आज की तारीख में वह कालातीत चुके हैं। समय कहाँ से कहाँ पहुँच गया है, यह बताने की बात नहीं है। गुलामी कब की जा चुकी है। हम आजादी की फिजा में सांस ले रहे हैं। पहले जैसी जाति व्यवस्था की जकड़न नहीं है। किसान और मजदूर की समस्याएं हैं तो उनका रूप बदल चुका है। नारी उत्पीड़न खत्म तो नहीं हुआ है, लेकिन अब वह पहले जैसी दब्बू और कमजोर नहीं है। बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ती 'नारीशक्ति' में बदल चुकी है। महाजनी शोषण और जमींदारों का उत्पीड़न सिर्फ किताबों में बचा है। ठाकुर का कुंआ' की गंगी आज चोरी-छिपे एक घड़ा पानी के लिए नहीं तरस रही है। लोग कानून के राज में जीवन यापन कर रहे हैं। फिर भी प्रेमचन्द के उपन्यास और कहानियां पढ़ी जा रही हैं। एक रीडरशिप सर्वे में तो यहाँ तक बताया गया था कि हिन्दी में 'गीता प्रेस' की धार्मिक सांस्कृतिक पुस्तकों के बाद सर्वाधिक बिक्री प्रेमचन्द साहित्य' की होती है। गोदान' आज भी हिन्दी के सर्वाधिक बिकने वाले उपन्यासों में एक है। जबकि आज बेलारी और सेमरी जैसे गाँव तथा होरी, धनिया, गोबर, दातादीन जैसे ग्रामीण खोजने पर भी नहीं मिलेंगे। इसके बाद भी अगर 'प्रेमचंद साहित्य' की धार बरकरार है, तो इसके पीछे कोई कारण तो होगा ही...!

पिछले दिनों प्रेमचन्द की राजनीतिक कहानियों का एक संग्रह हाथ लगा। इसमें पहली कहानी समर यात्रा' थी। मैं पढ़ने लगा, गाँव में हलचल मची थी। आज महात्मा जी का जत्था यानी स्वराजियों का दल आने वाला था, कोदई चौधरी के दरवाजे पर शामियाना लगा है। आटा, घी, तरकारी, दूध, दही जमा हो रहा है। सब के चेहरे पर उमंग, हौसला और आनन्द है। कितना बड़ा दिन था, गाँव की झोपड़ियाँ भी हँसती हुई मालूम हो रही थीं। मगर नोहरी दुखी थी, पचहत्तर साल की बूढ़ी सिकुड़ी आँखों से सारा सरंजाम देख-देखकर पछता रही थी। उसके पास क्या है, जिसे लेकर कोदई के दरवाजे पर जाये...

नोहरी ने अच्छे दिन भी देखे थे। अगर भगवान ने इतना बेबस न कर दिया होता तो आज झोंपड़े को लीपती, दरवाजे पर बाजा बजवाती, कढ़ाव चढ़वाती, पूड़ियाँ बनवाती और जब वो लोग खा चुकते तो अंजुरी भर रुपया उनको नजर कर देती...इसी समय कोदई ने आकर कहा- भाबी...तुम्हें भी कुछ देना है?' नोहरी ने चौधरी को लताड़ भरी आँखों से देखा। बेरहम मुझे जलाने आया है, नीचा दिखाना चाहता है। जैसे आसमान पर चढ़कर बोली- 'मुझे जो देना है, वो उन्हीं को दूँगी...' कोदई से कुछ मसखरी भरी नोंक-झोंक... तंज...तभी शोर मचा, जत्था आ गया। गाँव के सब औरत-मर्द काम छोड़कर उनका इस्तकबाल करने चले, एक पल में तिरंगा हवा में लहराता दिखा, जैसे स्वराज ऊँचे आसन पर बैठा सबको आशीर्वाद दे रहा हो...। औरतें खुशी के गीत गाने लगीं... बच्चे उछल रहे थे। आदमी अपने अँगौछों से सत्याग्रहियों को हवा कर रहे थे। नोहरी अपनी लठिया पकड़े सबके पीछे खड़ी थी। चेहरे पर फख्र की ऐसी झलक थी, जैसे वो कोई रानी है। जैसे ये सारा गाँव उसका है, ये सभी जवान उसके बच्चे हैं, अपने दिल में उसने ऐसी ताकत, ऐसी उछाल, ऐसी बुलन्दी कभी पहले महसूस नहीं की थी...अचानक उसने लाठी फेंक दी और भीड़ को चीरती जत्थे के सामने आ खड़ी हुई। लाठी के साथ उसने बुढ़ापे और दुख के बोझ को भी फेंक दिया था। एक पल वह अकीदत मंदाना आँखों से आजादी के सिपाहियों की तरफ ताकती रही... फिर वो नाचने लगी, खुशी के नशे में मस्त होकर... ना जाने कहाँ से इतना चुलबुलापन, इतनी लचक, इतनी फुर्ती उसमें आ गई थी...।

इसके बाद कहानी आँखों के सामने हू ब हू घटने लगती है... कोदई के दरवाजे पर मसालें जल रही हैं। सत्याग्रही भोजन कर चुके हैं। कई गाँव के लोग जुटे हैं, सभा हो रही है... तभी शोर उठा-पुलिस आ गयी...लोग छिपने लगे...दरोगा कोदई से पूछता है- क्यों रे कोदइया, तूने इन बदमाशों को क्यों ठहराया यहाँ?'... नोहरी बोली-क्या लाल पगड़ी बांधकर तुम्हारी जीभ ऐंठ गई है? कोदई तुम्हारे गुलाम हैं कि कोदइया-कोदइया कर रहे हो?...जो नोहरी थोड़ी देर पहले मुरझाई सी बूढ़ी कमजोर औरत थी, अब दोपहर की धूप जैसी तमतमा उठी थी... अब गाँव में जुटी भीड़ नोहरी के इशारों से संचालित हो रही थी। सिपाही कोदई को ले जाने लगे तो आवेशित भीड़ ने उन्हें में घेर लिया। सत्याग्रहियों के लीडर के बीच-बचाव से दरोगा उसे ले जा पाए। कोदई का बेटा गंगा, गाँव का सेवाराम, भजन सिंह, चौकीदार घूरे, जमींदार का लठैत काले खां सब नोहरी की रजामंदी से सत्याग्रहियों के दल में भर्ती हो गए, यहाँ तक कि नोहरी खुद भी...ऐसा लग रहा था कि सबको स्वराज मिल गया था। वास्तव में स्वराज चित्त की वृत्ति मात्र है। ज्यों ही पराधीनता का आतंक दिल से निकल गया, आपको स्वराज मिल गया। भय ही पराधीनता है, निर्भयता स्वराज है। समर यात्रा' का पाठ इस सत्य का साक्षात्कार कराता है।

प्रेमचंद की कहानी हो या उपन्यास उसमें विधागत आवश्यक गुण-धर्म मौजूद होते हैं। पहली चीज है, स्पष्टता...उनके कथ्य और कथानक पूर्णतया पारदर्शी होते हैं, उनमें कोई झाम, धुंध या जटिलता नहीं रहती है। दूसरा गुण है प्रवाह, कथाक्रम सहज लयात्मक गति से आगे बढ़ता है। उनके पात्रों के क्रिया- कलाप तर्कपूर्ण होते हैं, मनोद्वन्द्व से गुजरने के बाद ही वह निर्णय तक पहुंचते हैं। कहानी हो या उपन्यास, इसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण विंदु होता है-अन्त ! कहना गलत न होगा कि प्रेमचंद अपनी रचनाओं की समाप्ति अत्यंत सुसंगत स्थिति में करते हैं। उनके कथा पात्र मानव मन के अनेक भावों- दृश्यों, चेतना के अनेक छोरों, सामाजिक कुरीतियों तथा आर्थिक उत्पीड़न के विविध आयामों को पूरी कलात्मकता के साथ अनावृत करते हैं।

अपनी अन्विति के स्तर पर प्रेमचंद साहित्य' पाठक को आज से पीछे अपने रचनाकाल के दिनों में ले जाकर खड़ा कर देता है। यानी कहानी या उपन्यास खत्म हो जाता है, किन्तु दशकों पीछे खड़े पाठक के सामने समय की गति थमती नहीं, बल्कि आज की स्थितियों के साथ अन्तरीकरण की दिशा में चलती रहती है। मूलतः यही है, प्रेमचन्द और उनके साहित्य की सार्वकालिकता का रहस्य...!

नजरिया

आध्यात्म प्रकृति और उत्सव का संगम है सावन का महीना

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 941444121

सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन का महीना श्रावण मास के नाम से जाना जाता है। यह महीना भारतीय संस्कृति में अत्यंत पावन, पवित्र और धार्मिक आस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मानसून की फुहारों के साथ यह महीना न केवल प्रकृति को नवजीवन देता है अपितु जन साधारण को आनंदित भी करता है। भक्ति, शक्ति प्रेम, प्रकृति, त्याग, आशीर्वाद और परंपराओं का संगम सावन का महीना 30 जुलाई से शुरू हो गया है जिसका समापन 28 अगस्त को होगा। देश में सावन के महीने को एक त्योहार की तरह मनाया जाता है और इस परंपरा को लोग वर्षों से निभाते चले आ रहे हैं। सावन एक ऐसा पवित्र महीना है, जिसमें संसार बारिश, हरियाली, और भक्ति की पावनता की अनुभूति करता है। सावन के पवित्र महीने में प्रकृति का सौंदर्य और अधिक निखर कर आता है। सावन का महीना प्रकृति का उत्सव है। बारिश की बूंदें धरती को सींचती हैं और नई जान डालती हैं। सावन का महीना जहां भक्ति और उत्सव के लिए जाना जाता है, वहीं यह महीना अपनी हरियाली, ठंडी हवाओं और झीलों में खिलते कमल के फूलों के लिए भी जाना जाता है। इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम स्तर पर होता है। सावन में प्रकृति अपने चरम पर होती है। हरियाली चारों ओर फैली होती है और बारिश की बूंदें मन को सुकून देती हैं। सावन में शिवालयों में विशेष भीड़ होती है। भक्तजन जलाभिषेक, व्रत और पूजा-पाठ में लीन रहते हैं। इस महीने में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लोकगीत, नृत्य और अन्य कलाओं का प्रदर्शन होता है। सावन का महीना मन को शांत और प्रसन्न करता है। लोगों में एक अलग ही उत्साह और आस्था का संचार होता है।

सावन का महीना भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह बारिश की झड़ी के साथ प्रकृति की गोद में झूलने, भक्ति में डूबने और मन की शांति पाने का समय होता है। सावन आते ही वातावरण तो हरा-भरा हो ही जाता है साथ ही मन भी खुशनुमा रहता है। भीषण गर्मी से राहत देने के साथ ही मानसून चारों तरफ हरियाली लाकर लोगों की आंखों को भी सुकून देता है। सावन महीने से वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है जिस वजह से चारों तरफ हरियाली छा जाती है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हरियाली की चादर ओढ़ लेते हैं। प्रकृति के सौंदर्य का यह नजारा वाकई अद्भुत होता है। सावन का महीना खुद को प्रकृति से जोड़ने का महीना होता है। इसलिए लोग हरा रंग पहन कर अपने आप को प्रकृति से जोड़ते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन आने पर हर तरफ हरियाली छा जाती है। जो ना सिर्फ आंखों को खुश करती है बल्कि आपके मन को भी शांति प्रदान करती है। सावन माह कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह व्रत और त्योहारों का माह तो है ही साथ ही लोगों को गर्मी के कहर से राहत देता है। झमाझम बरसात के लिए लोग लंबे समय तक इंतजार करते हैं। इस सुहाने मौसम में खुश होकर कई त्योहार मनाते हैं। सावन के महीने में बहुत बरसात होती है जिससे मौसम सुहावना हो जाता है। देश के हर राज्य में बारिश हो चुकी है।

किसानों के लिए यह माह वरदान के सामान है। लोग ऐसे ही वक्त पर अपने परिवार के साथ बाहर घूमते हैं और सावन के खुशनुमा मौसम का आनंद लेते हैं। सावन के महीने में हर तरफ हरियाली छा जाती है और मौसम ठंडा हो जाता है। सावन के महीने में वायु की गुणवत्ता भी बढ़ जाती है। सुहाने मौसम के साथ सावन मास का आना सब दृष्टियों से मन को लुभाने वाला था।

भारत त्योहारों और पर्वों का देश है। यहाँ हर महीने रंगीले त्योहार मनाये जाते है मगर सावन माह इनमें अलग और अनूठा है। भगवान शिव की पूजा-आराधना और मनोकामना की पूर्ति के लिए सावन का महीना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। भीषण गर्मी के बाद सावन का महीना तन मन को हर्षित करता है। सावन के महीने में चारों तरफ हरियाली रहती है। सावन सोमवार में शिवलिंग का जलाभिषेक,बेलपत्र और भोलेनाथ की पूजा करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है। सावन मास में बारिश के आगमन से धरती का कोना-कोना हरा-भरा होकर खिल उठता है। इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है मानो प्रकृति ने फिर से जन्म लिया हो, और सृष्टि का फिर से निर्माण हो रहा हो, पूरा वातावरण झूमने लगता है, प्रकृति फिर से सुंदर हो जाती है, सब को लुभाने लगती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोने के बदले कर्ज का आकार मार्च, 2028 तक 30 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्जदाताओं में सोने के बदले कर्ज (गोल्ड लोन) देने की दिलचस्पी बढ़ने से इस तरह के ऋण का कुल आकार मार्च, 2028 तक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जो मार्च, 2026 में 18 लाख करोड़ रुपये था। इक्रा ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा रेटिंग्स ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) इस क्षेत्र में बैंकों से तेज वृद्धि दर्ज करती रहेंगी। वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक कुल बकाया पोर्टफोलियो में एनबीएफसी की हिस्सेदारी बढ़कर 23 प्रतिशत हो सकती है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 22 प्रतिशत थी।

एजेंसी ने कहा कि 2026-27 से 2027-28 के दौरान एनबीएफसी के गोल्ड लोन कारोबार में सालाना 35 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि बैंकों के लिए यह दर करीब 30 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से उनकी आय पर कुछ दबाव पड़ सकता है। पिछले दो वित्त वर्षों (मार्च 2026 तक) में गोल्ड लोन में औसतन 38 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें बैंकों की वृद्धि 35 प्रतिशत और एनबीएफसी की 54 प्रतिशत रही।

इक्रा रेटिंग्स के क्षेत्र प्रमुख आर. श्रीनिवासन ने कहा, नई फर्मों और बड़ी एनबीएफसी कंपनियों के इस खंड में कदम रखने और शाखा नेटवर्क के विस्तार की योजनाएं, इस क्षेत्र में मजबूत वृद्धि का समर्थन कर रही हैं। बिना गारंटी वाले कर्ज में हाल के दबाव के बीच भी गोल्ड लोन की मांग बनी हुई है।

रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, वृद्धि का मुख्य कारण खुदरा गोल्ड लोन है, जिसे एनबीएफसी आमतौर पर उपभोग और छोटे व्यवसाय के लिए देते हैं। मार्च, 2026 तक एनबीएफसी की गोल्ड लोन प्रबंधनाधीन संपत्तियां (एयूएम) करीब चार लाख करोड़ रुपये थीं। बैंकों में भी खुदरा गोल्ड लोन में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि कृषि और अन्य उपयोग के लिए दिए जाने वाले गोल्ड लोन में करीब 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एजेंसी ने कहा कि कुछ वृद्धि ऋणों के पुनर्वर्गीकरण और नई मांग दोनों के कारण हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में सोने की ऊंची कीमतों के कारण कर्ज का आकार बढ़ रहा है, जबकि गिरवी रखे गए सोने की मात्रा में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान बड़े कर्जदाताओं के ऋण में 24 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले गिरवी सोने की मात्रा केवल तीन-चार प्रतिशत ही बढ़ी।

जश्न

प्योंगयांग में युद्धविराम की 73वीं वर्षगांठ के जश्न में भाग लेने वाले युद्ध दिग्गजों के साथ फोटो सत्र में शामिल होने के दौरान उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन (बीच में) उनका अभिवादन स्वीकार करते हुए।

थाईलैंड में तीन पर्यटकों के अपहरण के आरोप में पांच भारतीय गिरफ्तार

बैंकॉक/भाषा। थाईलैंड में पांच भारतीय नागरिकों को अपने ही देश के तीन लोगों का अपहरण करने और उनकी रिहाई के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 'बैंकॉक पोस्ट' ने पुलिस के हवाले से अपनी खबर में कहा कि पांचों आरोपियों को मंगलवार को बैंकॉक के क्लोंग तान इलाके के एक होटल से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे विदेश भागने की फिराक में थे। खबर के अनुसार संदिग्धों की पहचान अवतार सिंह, जगजीत सिंह , रामबालक कुमार , सुखबीर सिंह और कुलरा सिंह के रूप में की गई है। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी नागरिक ने तीन भारतीय पुरुषों (सभी पर्यटक) का अपहरण करने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि वे उस पाकिस्तानी नागरिक को पिछले एक महीने से एक 'चैट एप्लिकेशन' के माध्यम से जानते थे। खबर के अनुसार माना जा रहा है कि इस कथित षडयंत्रकर्ता का ठिकाना दुबई में है ।

चोट से उबरने के बाद फिर जिम में वापस लौटीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस रकुल प्रीत एक बार फिर से जिम में वापस आ गई हैं, और खुद को एक नए रूप में ढाल रही हैं। एक्ट्रेस ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। चोट से उबरने के बाद एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने जिम में प्रवेश किया और बताया कि इस चोट ने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में समय लगता है और इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने चोट के बाद की स्थिति पर विचार व्यक्त किया और बताया कि वह एक नई शुरुआत की ओर देख रही हैं। उन्होंने लिखा, हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई प्लान नहीं करता है। मेरे साथ ऐसा ही एक अध्याय हुआ, एक चोट के रूप में। एक पल में हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। सिर्फ दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुकी चीज से दूर होने पर आई थी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, जिम सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं थी, जहां मैंने खुद को ट्रेंड किया, बल्कि यह वह जगह थी, जहां मैंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे मुश्किल बात मेरी प्रगति का रुकना नहीं था। सबसे मुश्किल यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। हर दिन में वापस जाना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर मुझे याद दिलाता रहा कि ठीक होने की अपनी एक समयसीमा होती है। निराशा के पल भी आए, संदेह के पल भी आए और ऐसे पल भी आए जब मैंने सोचा कि मैं कितना कुछ खो दूंगी, लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि कभी-कभी जीवन आपको रोकना नहीं चाहता। कभी-कभी यह आपको एक अलग नजरिए के साथ वापस आने के लिए तैयार कर रहा होता है।

अभिनेत्री ने बताया कि हेल्थ रिकवरी ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए जो कोई भी व्यायाम कभी नहीं सिखा सकता था। इसने उन्हें

परिणाम पाने के लिए धैर्य रखना सिखाया।

उन्होंने बताया, इसने मुझे उन पलों के लिए कृतज्ञता का भाव सिखाया, जिन्हें मैं पहले हल्के में लेती थी। इसने मुझे याद दिलाया कि ताकत हमेशा दिखावटी नहीं होती। कभी-कभी ताकत तब होती है जब मन और ज्यादा मेहनत करने को कहता है और आप आराम करने का चुनाव करते हैं। कभी-कभी ताकत तब होती है जब आप खुद पर भरोसा रखते हैं, भले ही आपको तुरंत कोई प्रगति नजर न आए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने खोई हुई चीजों पर ध्यान देना बंद कर दिया और जो कुछ मेरे पास बचा था, उसकी सराहना करने लगी। मेरा लक्ष्य फिर से स्वस्थ होना, जोकि हो गया। हर छोटा सुधार एक जीत बन गया।

उन्होंने आगे कहा, हर छोटा-सा कदम मुझे याद दिलाता रहा कि प्रगति कभी भी पूरी तरह खत्म नहीं होती। जीवन के अलग-अलग पड़ावों में इसका रूप बदल जाता है। आज जिम में वापस आना एक लंबी यात्रा के बाद घर लौटने जैसा लगता है। सब कुछ जाना-पहचाना सा लगता है, फिर भी मैं जानती हूं कि मैं वो इंसान नहीं हूं, जो डेढ़ साल पहले जिम से निकली थी। मैं नए अनुभव, नए सबक और दोबारा ट्रेनिंग करने के हर मौके के लिए एक नई सराहना लेकर आई हूं। यह वहीं से शुरू करने की बात नहीं है, जहां मैंने छोड़ा था। यह एक मजबूत मानसिकता के साथ फिर से शुरुआत करने की बात है। मैं चोट से पहले वाले अपने स्वरूप को पाने की कोशिश नहीं कर रही हूं। वो अध्याय अब खत्म हो चुका है।

सुभाष घई ने ओशो को बताया जीवन बदलने वाला गुरु

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म जगत के जाने-माने निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने आध्यात्मिक गुरु ओशो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके जीवन में आध्यात्मिक गुरु ओशो का बहुत बड़ा प्रभाव रहा है। उनकी शिक्षाओं ने उन्हें खुद को समझने, जीवन को बेहतर तरीके से देखने और अंदर से मजबूत बनने में मदद की। सुभाष घई ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह ओशो यानी आचार्य रजनीश की तस्वीर वाले एक प्रचार सामग्री के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने बताया कि किस तरह ओशो की विचारधारा ने उनके जीवन को प्रभावित किया। सुभाष घई ने अपने पोस्ट में लिखा, ''मुझे गुरु की कीमत समझने में 50 साल लग गए। 1975 में मैंने ओशो को पढ़ा, जिन्होंने आज तक मुझे अपने बारे में, लोगों के बारे में और अंतिम सत्य के बारे में लगातार ज्ञान दिया। उन्होंने मुझे अपने अंदर की शक्ति को पहचानने और हर स्तर पर आगे बढ़ने की ताकत दी।''सुभाष घई ने आगे ओशो के प्रति अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए लिखा, ''मैं इस महान गुरु ओशो के प्रति अपनी कृतज्ञता कैसे व्यक्त करूं, जिन्होंने मुझे आज तक एक खुशहाल और शांतिपूर्ण जीवन दिया। धन्यवाद कहना भी बहुत छोटा शब्द है।''बता दें कि ओशो मूवमेंट की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी, जो आगे चलकर पूरी दुनिया में एक आध्यात्मिक मूवमेंट के रूप में पहचाना जाने लगा। इस आंदोलन में ध्यान, आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे विषयों पर जोर दिया गया।

उत्सव

सिकंदराबाद में को वार्षिक आषाढ़ लश्कर बोनालू उत्सव की आधिकारिक शुरुआत के अवसर पर देवी महाकाली को पहली बोनम भेंट के दौरान एक ट्रांसजेंडर श्रद्धालु सिर पर सजाया हुआ बोनम ले जाते हुए।

भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती : सीरत कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है। जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है। सीरत कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।'' अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।'' सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है।हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था।

जेरी के बिहारी लहजे को परफेक्ट बनाने के लिए जाह्नवी कपूर ने की थी खास तैयारी

मुंबई/एजेन्सी

गुड लक जेरी के चार साल पूरे होने पर आइए जानते हैं जाह्नवी कपूर की दमदार परफॉर्मेंस से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा। फिल्म में बिहार की एक साधारण युवती जेरी के किरदार को पूरी प्रामाणिकता के साथ निभाने के लिए जाह्नवी ने बिहारी लहजे पर काफी गहराई से मेहनत की थी।उन्होंने अपनी बिहारी भाषा को परफेक्ट बनाने के लिए न सिर्फ लैंग्वेज एक्सपर्ट्स की मदद ली थी, बल्कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले कई वर्कशॉप्स में भी हिस्सा लिया था, जिससे वे अपने बिहारी उच्चारण और बोलने के अंदाज़ को निखार सकें। हालांकि यदि आपने यह फिल्म देखी होगी, तो उनकी यह मेहनत आपको फिल्म के हर संवाद में साफ़ दिखाई दी होगी।सिर्फ यही नहीं, जाह्नवी ने जेरी की मासूमियत, संघर्ष और जज़्बे को भी बेहद सहजता के साथ पर्दे पर उतारा था, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।

यही वजह है कि 29 जुलाई 2022 को रिलीज़ हुई इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा था। हालांकि गुड लक जेरी को रिलीज़ हुए आज चार साल हो चुके हैं, ऐसे में चार साल बाद भी इस फिल्म में निभाया गया जाह्नवी कपूर का जेरी किरदार सबसे यादगार और अलग किरदारों में गिनी जाती है। यह फिल्म एक बार फिर साबित करती है कि किसी चुनौतीपूर्ण भूमिका में पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कितनी लगन और समर्पण के साथ तैयारी की थी।

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंचे सनी देओल

जयपुर/एजेन्सी

इस साल की सबसे सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल बंटवारा 1947 का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। यह बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपने बेटे करण देओल और निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ हवामहल पहुंचे। आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बंटवारा 1947 इस वक्त इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के दमदार पोस्टर्स और अब तक आए दो शानदार टीजर इसकी इमोशनल कहानी की झलक दिखा चुके हैं। भारत के बंटवारे जैसे दर्दनाक दौर पर बनी यह फिल्म प्यार, त्याग और हिम्मत की एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रही है। 28 जुलाई को रिलीज हुए बंटवारा 1947 के दमदार ट्रेलर ने फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। ट्रेलर को बेहद अच्छे मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच अब फिल्म की टीम प्रमोशन के लिए जयपुर पहुंच गई है। रिलीज से पहले बंटवारा 1947 को लेकर माहौल लगातार गर्म होता नजर आ रहा है।

बंटवारा 1947 एक ऐसी इमोशनल कहानी लेकर आ रही है, जो भारत के बंटवारे के दर्द और उससे जुड़े इंसानी जज्बातों को करीब से दिखाएगी। फिल्म मुश्किल हालात में भी प्यार, हिम्मत, त्याग और कभी हार न मानने वाले जज्बे की कहानी कहेगी।

फिल्म में शबाना आज़मी, सनी देओल, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फज़ल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। खास बात यह है कि करीब 30 साल बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की सुपरहिट जोड़ी फिर से साथ आ रही है।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है, जबकि इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म को आमिर खान और अपरणा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। बंटवारा 1947 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने एक बार फिर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में कंगना ने प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से कुछ बोलता है तो उसे सुनने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने अपने पोस्ट में प्रदर्शनकारियों के व्यवहार, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे मुद्दों का जिक्र किया। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, ''सड़कों पर जिन प्रदर्शनकारियों को आम जनता पीट रही है और जिन्हें गालियां पड़ रही हैं, यह उनकी अपनी गंदी और अभद्र रील्स की वजह से है। उन्हें यह समझना होगा कि जब आप बोलते हो, तो सुनना भी पड़ेगा।'' कंगना ने लिखा, ''अगर आप सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, तो

वही जनता आपको भी नुकसान पहुंचाएगी। अगर आपको देश और सरकार से परेशानी है और आपने सार्वजनिक रूप से खूब गंदी-गंदी गालियां दी हैं, तो अब उन लोगों की भी सुनिए जो इस देश से प्यार करते हैं और वोट की ताकत से इस सरकार को चुनकर लाए हैं, क्योंकि बोलने का हक उनका भी है।''

कंगना ने अपने पोस्ट में कहा, ''अब रोने वाली कोई बात नहीं है। हर क्रिया की एक बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया होती है। अगर अब तक पढ़ाई करके 'कारण और प्रभाव' समझ नहीं आया है, तो अब आ जाएगा... और बहुत अच्छे से समझ आ जाएगा।''

दरअसल, यह पूरा मामला छात्र आंदोलन और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो से जुड़ा हुआ है। कुछ दिनों से कंगना रनौत इस आंदोलन को लेकर अपनी राय सोशल मीडिया पर लगातार साझा कर रही हैं।

इससे पहले भी उन्होंने प्रदर्शनकारियों की भाषा और तरीके पर सवाल उठाए थे। कंगना ने कुछ पोस्ट में प्रदर्शनकारियों के वीडियो और उनके बोलने के अंदाज पर नाराजगी जताते हुए उन्हें 'जेनरेशन गटर' तक कह दिया था।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, 'मैंने पूरी जिंदगी कभी इतनी बदसूरती एक साथ नहीं देखी। जेन जी के विरोध-प्रदर्शनों की ये वीडियोज देखकर घिन आती है। इन लोगों के बोलने का तरीका और जिस भाषा का ये इस्तेमाल कर रहे हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। हर वीडियो परेशान करने वाला है। आखिर इन्हें जन्म कौन दे रहा है और इनकी परवरिश कौन कर रहा है?'

विप्र फाउंडेशन जोन 17 का चौथा चैप्टर केरल के त्रिसूर में गठित

त्रिसूर/दक्षिण भारत। विप्र फाउंडेशन जोन 17 का चौथा चैप्टर त्रिसूर में गठित किया गया। यहां आयोजित बैठक में दक्षिण क्षेत्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने कहा कि राजस्थान हरियाणा मूल की 24 उपजातियों को जोड़ कर विप्र फाउंडेशन की स्थापना हुई, आज भारत के अलावा विदेशों में भी विप्र फाउंडेशन की शाखाएँ हैं। गांव गांव में ब्राह्मण समाज के लोग विप्र फाउंडेशन से जुड़ रहे हैं। व्यास ने संगठन के कार्यकर्मों, प्रकल्पों एवं नीतियों की विस्तृत जानकारी सदस्यों को दी।

15 अगस्त तक अधिक से अधिक सदस्य बना कर सूची भेजने को कहा गया। जोन के अध्यक्ष दिनेश सिंह राजपुरोहित ने कहा कि वे त्रिसूर के आस पास के शहरों में रहने वाले ब्राह्मणों को जोड़ने का प्रयास करेंगे। त्रिसूर शहर के विप्र बंधुओं की मौजूदगी में सर्वसम्मिति से कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष उमेद सिंह राजपुरोहित, महामंत्री शिवरतन पारीक, कोषाध्यक्ष चेतन सिंह राजपुरोहित को मनोनीत किया गया। जोन गवर्निंग बोर्ड में कांतिलाल राजपुरोहित को मनोनीत किया गया।शिवरतन पारीक के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत बैठक समाप्त हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु की अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सूरजमल पितलिया एवं सुरेश कुमार चावत आदि ने तेरापंथ ट्रस्ट गांधीनगर के नए अध्यक्ष माणकचन्द बलदोटा व मंत्री कन्हैयालाल चिप्पड़ से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। इस मौके पर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संतोषी मां मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बिन्नी मिल रोड के जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित संतोषी माँ मंदिर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव के दौरान सभी गुरुभक्तों ने गुरुमां मृदुलाबेन जाडेजा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुमाँ ने अपने आशीर्वचन में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को धर्म, सेवा, संस्कार और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया तथा गुरु के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिगा फेयर के दूसरे दिन लाइव 'फैशन वॉक' बना मुख्य आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 31वें 'सिगा फेयर -2026' के दूसरे दिन लाइव फैशन वॉक आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

एक तय अंतराल के दौरान युवक व युवती मॉडलों ने विभिन्न ब्रांडों के नए डिजाइनर कपड़ों का प्रदर्शन किया। मॉडलों ने ट्रेड फेयर में लगे स्टालों के बीच में बने रेम्प पर लाइव फैशन वॉक किया, जिसे संभावित ग्राहकों ने बहुत ही रचनात्मक बताया। इस ट्रेड फेयर में देशभर के 150 से अधिक प्रतिष्ठित गारमेंट एवं फैशन ब्रांड्स ने अपने नवीनतम कलेक्शन और आगामी सीजन के ट्रेंड्स के अनुसार उत्पादों का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन बड़ी संख्या में ग्राहकों की भीड़ देखी गई और आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर उन्होंने जमकर मॉल की बुकिंग की। सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंगला, उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व राजेश चावत, मंत्री तेजस मेहता व कोषाध्यक्ष व फेयर चेयरमैन गोविंद मूंदड़ा ने प्रदर्शनी में सभी स्टॉल प्रतिष्ठानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु की महिमा अपरम्पार है : साध्वी पावनप्रभा

गुरु पूर्णिमा पर ही हुई थी तेरापंथ धर्मसंघ की स्थापना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथी सभा, गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री पावन प्रभाजी के सान्निध्य में आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा एवं गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित प्रवचन सभा में साध्वीश्री ने गुरु की महिमा एवं तेरापंथ धर्मसंघ के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा का यह दिन केवल गुरु पूर्णिमा ही नहीं, बल्कि तेरापंथ धर्मसंघ के जन्मदिवस के रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आज के ही दिन तेरापंथ को अपना गुरु प्राप्त हुआ था। तेरापंथ को ऐसे गुरु मिले, जिनमें गरिमा, गौरव एवं गुरुत्व का अद्भुत समन्वय था। आचार्यश्री भिक्षु ने अपने गुरु से यह आशीर्वाद प्राप्त किया कि मुनि भीखण, वटवृक्ष की शाखाओं की भाँति निरंतर विकसित एवं विस्तारित होता रहे। साध्वीश्री ने कहा कि तेरापंथ की एक विशिष्ट पहचान यह है कि यहाँ दीक्षा पूर्ण परीक्षण एवं कसौटी पर परखने के उपरांत ही प्रदान की जाती है। स्वयं आचार्यश्री भिक्षु ने भी तीनों बहनों को विभिन्न कसौटियों पर परखकर दीक्षित किया था। गुरु की महिमा अपरम्पार है।

उनके अनगिनत गुणों का वर्णन शब्दों में कर पाना अत्यंत कठिन है। कार्यक्रम में आत्मयशाजी एवं उन्नतयशाजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री रम्यप्रभाजी ने कविता के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा, गांधीनगर के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा, पारसमल भंसाली, प्रकाश कटारिया, पुखराज श्रीश्रीमाल, विनोद छाजेड़, सभा के मंत्री सुभाष पोखरणा, ट्रस्ट के अध्यक्ष माणकचंद बलदोटा, सुशील चोरड़िया, तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी, महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

मन की शांति की चाबी सदैव अपने पास रखें : समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के तत्वावधान में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित जीवन संजीवनी चातुर्मास के अंतर्गत बुधवार को नई दिशा-नया जीवन' विषय पर डॉ. समकित मुनिजी ने अपने प्रवचन में स्वार्थ, कर्म सिद्धांत, क्षमा, आत्मपरिवर्तन एवं संस्कारपूर्ण जीवन के महत्व पर विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का शुभारंभ जयवंत मुनिजी के मधुर भजन से हुआ। समकितमुनिजी ने कर्म सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन में कोई भी कार्य करने से पहले रुको, देखो और फिर आगे बढ़ो।

सदैव यह विचार करें कि हमारे कार्यों का परिवार, समाज और स्वयं के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा। आज व्यक्ति अपने छोटे-छोटे स्वार्थों और लाभ के लिए गलत मार्ग अपनाकर दूसरों को कष्ट पहुँचाता है। उन्होंने कहा कि अपनी मुसीबतों की माला दूसरों के गले में डालना बंद करें।

एक छोटा सा झूठ, एक छोटी बेइमानी अथवा एक गलत निर्णय भी पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है। संतश्री ने कहा कि अपनी गलती की सजा कभी दूसरों को नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मन की शांति की चाबी सदैव अपने पास रखें।

समाज की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज स्वार्थ की ऐसी आंधी चल रही है कि हर रिश्ता खतरे में पड़ गया है। लोग छोटी-छोटी बातों पर संवाद बंद कर देते हैं, लेकिन बातचीत बंद करने से रिश्ते समाप्त नहीं होते। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि दुश्मनी और वैरभाव को अगले जन्म तक साथ लेकर न जाएँ।

नफरत के सहारे जीवन नहीं जिया जा सकता। अहंकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि संस्कारी और खानदानी लोगों का स्वभाव सदैव विनम्र होता है। यदि व्यवहार में अकड़ है तो वह स्वयं बता देती है कि संपत्ति नई है, संस्कार नहीं। संतश्री ने सभी श्रद्धालुओं से कहा कि दिन के 24 घंटों में से कम से कम एक घंटा अपनी आत्मा के लिए अवश्य निकालें।प्रवचन के पश्चात चातुर्मास महिला समिति द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संतश्री ने उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं को रात्रि भोजन त्याग का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

स्व में रमण करने का संदेश देने आते हैं चातुर्मास : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में साध्वीश्री मंगलज्योतिजी, विकासज्योतिजी, ऋजुप्रज्ञाश्री, नैतिकश्रीजी, मौलिकश्रीजी आदि विराजमान है। बुधवार को साध्वीश्री मंगलज्योति जी ने गुरु पूर्णिमा पर्व के मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में इन चातुर्मास के चार महीनों में जो आत्मिक धर्म साधना, आराधना होती है, वही हमारे जीवन को संवारने में महत्वपूर्ण होती है। जैसे किसान इन दिनों में अपनी कृषि योग्य भूमि को उपजाऊ बनाकर उसमें बीज वपन करके धरती से सोना निकालता है, अपनी फसल को प्राप्त करके वो बहुत हर्षित, सुख आनंद महसूस करता है ; ठीक वैसे ही आध्यात्मिक क्षेत्र में साधक आत्मा अपने आत्म कल्याण हेतु अपने हृदय रूपी भूमि को धर्म साधना, जप, तप, आराधना से अन्दर से साफ़, आत्मशुध्दि करके अपनी आत्मा को भावित करते हुए अपने कर्मों की महान निर्जरा करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में अपनी वृत्ति में सुधार करना चाहिए। हमारी वृत्ति सुधरेगी तभी साधक आत्मकल्याण में सही दिशा में प्रवृत्ति संभव हो सकेगी।

साध्वीश्री ऋजुप्रज्ञाश्रीजी ने साधकों को गुरु पूर्णिमा पर्व पर सबको शुभकामनाएं देते हुए पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में सद्गुरु की प्राप्ति होना एक महान उपलब्धि है। गुरु एक ऐसी आध्यात्मिक शक्ति है, जो मनुष्य को नर से नारायण, जन से जिन और आत्मा को परमात्मा बना देती है। गुरु के उपदेश बिना आत्मतत्व का ज्ञान नहीं होता है। अध्यात्म साधना के क्षेत्र में गुरु का पद सबसे ऊंचा है। गुरु हमारे जीवन नौका के नाविक हैं। उन्होंने अपने जीवन में परिवर्तन और आत्म शुद्धि की दिशा में चार शिक्षा सूत्रों आराधना, अहिंसा, आत्म कल्याण और आज्ञा पालन पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत चातुर्मास समिति के चेयरमैन महावीर चन्द मुथा ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

गुरु कृपा चातुर्मास में गुरु पूर्णिमा पर गौतमस्वामी महापूजन का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गोडवाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में गुरु पूर्णिमा के मौके पर गुरु गौतम स्वामी महापूजन का आयोजन किया गया जिसमें चातुर्मास आराधकों के साथ शहर के विभिन्न उपनगरों से श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। गुरु के गुणों का चिंतन करते हुए सम्यकदर्शन, ज्ञान, विनय और गुरु-भक्ति से ओतप्रोत पूजन संगीत की लहरों के साथ संपन्न हुआ। अंत में मंगल पाठ गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वर जी के मुखारविंद से हुआ एवं सभी जीवों के कल्याण की भावना व्यक्त की गई।

इससे पूर्व प्रातः चातुर्मासिक प्रवचन में मुनिश्री मोक्षानंदविजयजी ने जिनवाणी का श्रवण कराते हुए कहा कि अज्ञान के अंधकार का नाश करने वाले सद्गुरु का उपकार कई जन्मों तक नहीं चुकाया जा सकता। गुरु पूर्णिमा यही संदेश देती है जैसे पूर्णिमा का चन्द्र सम्पूर्ण कलाओं से खिला होता है वैसे ही गुरु भी सभी कलाओं से पूर्ण है। हमारी स्थिति अमावस्या जैसी है लेकिन गुरु कृपा होने पर जीवन में एक-एक कला का विकास होता जाता है और जीवन में पूर्णिमा का प्रकाश हो जाता है। गुरु ही ऐसे तत्व हैं जो आत्मा में रहे अनंत गुणों को प्रगट करने का सामर्थ्य पैदा कर देते हैं। गुरु बिना ज्ञान नहीं मिलता और गुरु बिना सद्गति भी नहीं होती। गुरु भव सागर में डूबती हमारी जीवन नैया को किनारे पहुंचा देते हैं। संसार में सभी संबंध स्वार्थ से जुड़े हैं जबकि गुरु नि:स्वार्थ भाव से शिष्य के कल्याण और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु पूर्णिमा पर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु बेंगलूरु सहित दिल्ली, अंबाला, लुधियाना, नागौर, सूरत, बीकानेर, चेन्नई, मुंबई आदि से अनेक गुरुभक्त कार्यक्रम में शामिल हुए।

गुरु ही सही मंजिल तक पहुँचाने में सक्षम : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी विराजित हैं। चातुर्मास के पहले दिन गुरु पूर्णिमा के मौके पर ज्ञानमुनिजी ने कहा कि तमस यानी अंधकार से उजाले की ओर लेकर जाने वाले गुरु होते हैं। गुरु ही सही मंजिल तक पहुँचाने में सक्षम होते हैं। बहुत सारे पंथ होने के बावजूद हम गुरु के बताए मार्ग धर्म की राह पर चलते हैं। जिसका मन धर्म में लगा हो, उसको देवता भी नमन करते हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा का मार्ग अपनाया, इसका मतलब कायरता नहीं है। जहाँ ज्ञान, दर्शन चरित्र है, वही धर्म है। गुरु हमें ज्ञान संस्कार ही नहीं देते बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गुरु बिना ज्ञान अधूरा है, गुरु सही व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। देवता का पद बड़ा होने के बावजूद भी गुरु को आगे रखा गया है। गुरु का उपकार कभी नहीं भूलना चाहिए। गुरु अज्ञानी को ज्ञानी बना देते हैं। गुरु पूर्णिमा के मौके पर हीरा बाग के वरिष्ठ मार्गदर्शक जब्बरचंद कांकरिया, अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सखलेचा सहित अन्य ने गुरु के प्रति अपने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

दादावाड़ी में मनाया गया गुरुपूर्णिमा महोत्सव

बेंगलूरु//दक्षिण भार। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने बुधवार को गुरु पूर्णिमा के विशेष प्रवचन में कहा कि गुरुकृपा से कंकर भी शंकर बन जाता है। साध्वियों ने अपने गुरुओं के प्रति समर्पण भावना से ओत प्रोत गीतिकाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा से कार्तिक मास की पूर्णिमा तक हमें मोह माया को छोड़कर तपस्या और त्यागमय जीवन जीना है। धर्म की बाड़ से हमें जीवन को सुरक्षित रखना है। प्रभु महावीर ने जिनवाणी हमारी आत्मा के कल्याण हेतु बरसाई है। चातुर्मास का हमारा पहला कर्तव्य सामायिक करना है, जिसमें हमें अड़तालीस मिनट तक साधुता के भावों में समता भाव में जीना होता है। चातुर्मास का दूसरा कर्तव्य प्रतिक्रमण है। चातुर्मास के दौरान सुबह और शाम का प्रतिक्रमण करके हमें अपने द्वारा किए गए कर्मों की निर्जरा करनी चाहिए। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अनेक सदस्यों ने मुनिश्री मलयप्रभसागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी के दर्शन वन्दन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रवचन के दौरान खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री मणिप्रभसूरीश्वर जी, साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी व सुलक्षणाश्रीजी के चित्र के साथ ही साध्वियों का गुरुपूजन का लाभ दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मनोजकुमार आनन्दकुमार मालानी परिवार ने लिया। साध्वियों का अक्षतों से स्वागत करने का लाभ बाबूलाल अशोककुमार महावीर लुंकडमेहता परिवार को मिला।

गुरु के बिना जीवन सूना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। बुधवार को गुरुपूर्णिमा के अवसर पर समारोह को संबोधित करते आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि गुरु गुणों के भंडार होते हैं। गुण जीवन में अपने आप नहीं आते। हर मनुष्य को गुणवान बनने के लिए गुरु की खोज करनी पड़ती है। जीवन में गुरु के आगमन के साथ ही सब कुछ बदलने लग जाता है, यह अनुभवगत तथ्य है। गुरु के बिना जीवन सूना होता है, गुरु के आते ही वह सोना-सोना हो जाता है। एकलव्य, अर्जुन, इन्द्रभूति गौतम, सम्राट संप्रति, आचार्य हरिभद्रसूरी, आचार्य हेमचन्द्रसूरी, सम्राट कुमारपाल, छत्रपति शिवाजी, कबीर, स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, सम्राट सिकंदर, जितने भी प्रसिद्ध लोगों की सूची बनाओ, सबके जीवन में गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जा सकती है।

आचार्यश्री ने कहा कि गुरु के बिना कभी किसी का उद्धार नहीं होता। गुरुतत्व इतना महत्वपूर्ण है। जीवन में जब सद्गुरु मिलते हैं, तब भवसागर पार उतरने की संभावना जगती है। सद्गुरु के स्पर्श से पत्थर पारस बन जाता है, भटकती जिंदगी को सही रास्ता मिल जाता है। जीवन में शिक्षादाता गुरु से भी अधिक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक गुरु की भूमिका होती है। वे सदाचारी होने चाहिए। गणिवर्य पद्मविमलसागरजी ने शत्रुंजय तपाराधना के सभी साधकों को दूसरे उपवास का संकल्प दिलाया।

चातुर्मास स्थापना दिवस हमारे आत्मकल्याण करने का दिन : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भार। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री अभिजीतमुनिजी व रविमुनिजी के सान्निध्य में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया। अभिजीतमुनिजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आषाढी पूर्णिमा अर्थात गुरु पूर्णिमा से चातुर्मास प्रारंभ होता है। यह दिवस हमारे आत्मकल्याण करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरु गुणानुवाद करना सही अर्थों में गुरु पूर्णिमा मनाना है। गुरुओं ने हमें जीवन जीने की कला सिखाई है। हमें तप, त्याग व आराधना से अपने जीवन को सुखमय बनाना चाहिए। प्रभु महावीर की वाणी का श्रवण कर हमें जीवन को खुशहाल बनाना चाहिए। रविमुनिजी ने भी ज्ञानप्राप्ति के महत्त्व को प्रतिपादित किया। गुरु पूर्णिमा के मौके पर महिला मंडल व श्रावकों ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ के मंत्री सुरेन्द्र रुणवाल ने संचालन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**